रक्षा मंत्रालय ने 15 गश्ती विमान खरीदने को दी मंजूरी

लोकशक्ति

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

RNI Regn. No.7789/1964

बिहार में महागठबंधन का एक और विधायक कम हुआ, हत्या के मामले में CPI ML के विधायक मनोज मंजिल को उम्रकैद

वर्ष-60 › अंक -53 रायपुर शुक्रवार 17 फरवरी 2024 शुक्लपक्ष विक्रम संवत 2080 पृष्ठ 8 › मूल्य : 2 रू डाक पंजीयन : C.G./RYP DN/71/2023-25

पीएम मोदी से बीर लाचित की प्रतिमा का अनावरण कराएगी असम सरकार

एजेंसी। असम के मुख्यमंत्री हिमंता बिस्व सरमा ने जोरहाट में 125 फीट की बीर लाचित बोरफुक्कन की प्रतिमा के अनावरण के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को आमंत्रित किया है। यह कार्यक्रम इसी साल मार्च के पहले हफ्ते में होना है। आमंत्रण को लेकर मुख्यमंत्री हिमंता बिस्व सरमा ने गुरुवार को बताया कि राज्य सरकार ने अहोम राज्य की सेना के प्रमुख सेनापति बीर लाचित की स्मृति में उनकी विशाल प्रतिमा के अनावरण के लिए प्रधानमंत्री मोदी को निमंत्रण पत्र दिया है।

सिवसागर मेडिकल कॉलेज की आधारशिला रखेंगे पीएम - उन्होंने बताया कि प्रधानमंत्री जोरहाट की अपनी प्रस्तावित यात्रा के दौरान सिवसागर मेडिकल कॉलेज की आधारशिला रखेंगे और प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत असम में 5.5 लाख घरों में लोगों का गृह प्रवेश कराएंगे। मुख्यमंत्री सरमा ने अपने जोरहाट दौरे पर कहा कि वह इन कार्यक्रमों की तैयारी का निजी तौर पर निरीक्षण करने आए हैं।

रेवंत रेड्डी सरकार अपने फैसले को बदल दे-कविता - वह लाहदोईगढ़ स्थित लाचित स्मारक भी गए और निर्माण कार्यों की प्रगति देखी। साथ ही इस माह के अंत तक सभी कार्यों का निस्तारण करने को कहा। इस बीच हैदराबाद में बीआरएस नेता के.कविता ने रेवंत रेड्डी के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार से आग्रह किया कि वह राज्य सचिवालय के सामने तेलंगाना तल्ली (मां) की जगह पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी की प्रतिमा को स्थापित करने के फैसले को बदल दें।

उन्होंने कहा कि बीआरएस के मन में राजीव गांधी के खिलाफ कुछ भी नहीं है, लेकिन वह स्थान पहले से ही तेलंगाना तल्ली की प्रतिमा के लिए निर्धारित था।

मोदी ने रेवाड़ी एम्स का किया उद्घाटन, 100 सीटों पर मिलेगा प्रवेश

नईदिल्ली,एजेंसी।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को रेवाड़ी में अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) की आधारशिला रखी और 9,750 करोड़ रुपये से अधिक की विभिन्न विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया। ये परियोजनाएं शहरी परिवहन, स्वास्थ्य, रेल और पर्यटन क्षेत्र की हैं। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि 'विकसित भारत' के लिए हरियाणा का विकसित होना बहुत जरूरी है और इसी को ध्यान में रखते हुए आज रेवाड़ी में राज्य की कई परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया गया है।

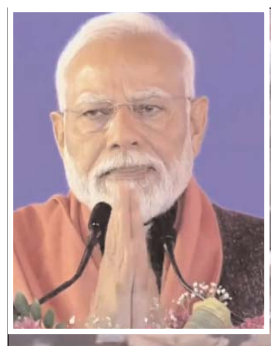

100 सीटों पर मिलेगा प्रवेश

मोदी ने कहा, ''हरियाणा की डबल इंजन सरकार वैश्विक स्तर के इंफ्रास्ट्रक्चर के निर्माण को लेकर प्रतिबद्ध है। बीते 10 वर्षों में हरियाणा में संपर्क से लेकर जनसुविधाओं तक का अभूतपूर्व विकास हुआ है।'' रेवाड़ी में एम्स 203 एकड़ में निर्मित होना है और इस पर 1,650 रुपये की लागत आएगी। इसमें 720 बिस्तरों का अस्पताल, 100 सीट क्षमता का मेडिकल कॉलेज, 60 सीटों का नर्सिंग कॉलेज और 30 बिस्तरों के साथ आयुष ब्लॉक होगा।

एक आधिकारिक बयान में कहा गया कि प्रधानमंत्री स्वास्थ्य सुरक्षा योजना (पीएमएसएसवाई) के तहत स्थापित यह एम्स हरियाणा के लोगों को व्यापक गुणवत्ता और समग्र देखभाल की स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करेगा। यहां कार्डियोलॉजी, गैस्ट्रो-एंटरोलॉजी, नेफ्रोलॉजी, यूरोलॉजी, न्यूरोलॉजी, न्यूरोसर्जरी, मेडिकल ऑन्कोलॉजी, सर्जिकल ऑन्कोलॉजी, एंडोक्रिनोलॉजी, बर्न्स और प्लास्टिक सर्जरी सहित अन्य देखभाल सेवाएं उपलब्ध होंगी। संस्थान में गहन देखभाल इकाई, आपातकालीन और ट्रॉमा यूनिट, सोलह मॉड्यूलर ऑपरेशन थिएटर, डायग्नोस्टिक प्रयोगशालाएं, ब्लड बैंक, फार्मेसी आदि की सुविधाएं भी होंगी।

पीएम मोदी ने गुरुग्राम मेट्रो की भी रखी आधारशिला

इस अवसर पर प्रधानमंत्री ने गुरुग्राम मेट्रो रेल परियोजना की आधारशिला भी रखी, जिसे लगभग 5,450 करोड़ रुपये की लागत से विकसित किया जाएगा। करीब 28.5 किलोमीटर की कुल लंबाई वाली यह परियोजना मिलेनियम सिटी सेंटर को उद्योग विहार फेज-5 से जोड़ेगी और साइबर सिटी के पास मौलसारी एवेन्यू स्टेशन पर रैपिड मेट्रो रेल गुरुग्राम के मौजूदा मेट्रो नेटवर्क से जुड़ेगी। बयान के मुताबिक, यह परियोजना लोगों को विश्वस्तरीय पर्यावरण के अनुकूल त्वरित शहरी परिवहन प्रणाली प्रदान करने के लिए प्रधानमंत्री के दृष्टिकोण को साकार करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

झारखंड में कैबिनेट विस्तार से पहले कांग्रेस की कलह आई सामने, इन विधायकों के नाम पर छिड़ी है जंग

एजेंसी। झारखंड में चंपई सोरेन के मंत्रिमंडल के विस्तार से पहले झारखंड कांग्रेस ने बवाल मच गया है। दरअसल झारखंड

के कांग्रेस विधायक इरफान अंसारी ने दावा किया है कि कांग्रेस कोटे से बन रहे मंत्री और शपथ ले चुके मंत्री आलमगीर आलम को लेकर कांग्रेस के विधायक नाराज हैं। ऐसे में आलमगीर आलम को मंत्री पद से तो हटाया ही जाए। साथ ही अन्य विधायक बन्ना गुप्ता और बादल जो अभी मंत्री पद की शपथ लेने वाले हैं, उन्हें भी मंत्री न बनाया जाए। बता दें कि चंपई सोरेन सरकार में मंत्रिमंडल के विस्तार से पहले ही झारखंड कांग्रेस के विधायकों की नाराजगी अब बाहर आ गई है। जानकारी के मुताबिक कई विधायकों ने खुद को कमरे तक में बंद कर लिया।

नारी शक्ति वंदन सम्मेलन में सीएम ने पूछा, ड्रोन दीदी की ट्रेनिंग ली?

नारी शक्ति वंदन से महिलाएं बनती आत्मनिर्भर

एजेंसी।

नारी शक्ति वंदन कार्यक्रम में मुख्यमंत्री से संवाद के दौरान स्वंय सहायता समूह की महिलाओं का आत्मविश्वास देखते बन रहा था। संवाद के दौरान सीएम ने वीना साहनी से पूछा कि क्या उसने ड्रोन दीदी की ट्रेनिंग ली है? सरकार से उनको कैसी अपेक्षाए हैं? वीना ने जवाब दिया कि जो सुविधाएं ग्रामीण महिलाओं को मिल रही हैं वह शहरी महिलाओं को भी मिले। अपने समूह के बारे में वीना ने बताया कि इसमें महिलाओं को जोड़ा जाता है। कई महिलाएं मिट्टी की ज्वेलरी बनाती हैं। कोई गाय-भैंस पालता है। इसपर सीएम ने सलाह दिया कि सभी महिलाओं को मिलकर एक दुग्ध समिति का गठन कर डेयरी बनाना चाहिए।

श्वेता गोस्वामी ने सीएम को बताया कि उनके समूह की कुछ महिलाएं सब्जी बेचती हैं, कुछ बेसन बनाती हैं तो कुछ गाय-भैंस पालती हैं। इसपर सीएम ने पूछा कि दूध बिक जाता है कि नहीं, इससे हर महीने कितना कमा लेती हो? श्वेता ने जवाब दिया कि पहले

उनकी कोई आय नहीं थी लेकिन अब हर महीने 10-15 हजार रुपये कमा लेती हैं।

आत्मविश्वास बताता है काम हो रहा

मुख्यमंत्री से बातचीत के दौरान महिलाओं का आत्मविश्वास देखते बन रहा था। ऐसा लग ही नहीं रहा था कि वे पहली बार सीएम से बात कर रही हों। सरकार की तारीफकरने के साथ ही उन्होंने अपनी समस्याओं को भी रखा। महिलाओं के आत्मविश्वास से सीएम भी हैरान रह गए। तभी उन्होंने कहा कि स्वंय सहायता समूह की महिलाओं का आत्मविश्वास बता रहा है कि काम हो रहा है। काम से ही आत्मविश्वास बढ़ता है।

शिबू सोरेन के छोटे बेटे बसंत समेत 8 मंत्रियों ने ली शपथ

एजेंसी। झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) प्रमुख शिबू सोरेन के सबसे छोटे बेटे बसंत सोरेन ने 7 अन्य विधायकों के साथ शुक्रवार को चंपई सोरेन के नेतृत्व में बनी नई सरकार में मंत्री पद की शपथ ली।

बसंत सोरेन झारखंड के पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के छोटे भाई हैं। हेमंत कथित भूमि घोटाले से जुड़े धनशोधन के मामले में फिलहाल न्यायिक हिरासत में हैं। झारखंड के 12 सदस्यीय मंत्रिमंडल में जिन नए चेहरों को शामिल किया गया है, उनमें झामुमो के चाईबासा से विधायक दीपक बिरुआ और दुमका से बसंत सोरेन हैं। शपथ ग्रहण समारोह राजभवन के बिरसा मंडप में हुआ और इस दौरान झामुमो नीत गठबंधन के वरिष्ठ नेता और अन्य सरकारी अधिकारी भी मौजूद थे। मुख्यमंत्री ने कहा, ''विभागों का आवंटन आज कर दिया जाएगा।

ईसाइयों और मुसलमानों के लिए बड़े ऐलान कर फंस गए सिद्धारमैया! हिंदुओं के लिए कुछ नहीं

नई दिल्ली: एजेंसी।

कर्नाटक विधानसभा में मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने शुक्रवार को वित्त वर्ष 2024-25 के लिए अपनी सरकार का बजट पेश किया। विधानसभा में बजट पेश होने के बाद राज्य सरकार विवादों में घिर गई है। बजट के बाद विधानसभा में ही विपक्षी विधायकों द्वारा इसका विरोध किया जाने लगा और अब इसे कांग्रेस के तुष्टीकरण वाला बजट कहा जा रहा है। इसके पीछे की वजह यह है कि सिद्धारमैया सरकार ने अपने बजट में वक्फ बोर्ड और ईसाइयों के लिए कई बड़े ऐलान किए हैं, जबकि हिंदू मंदिरों को लेकर बजट में कोई खास राशि का जिक्र नहीं किया गया है।

सरकार ने किया मंगलौरप में हज भवन बनाने का ऐलान

कर्नाटक सरकार ने अपने बजट में 100 करोड़ रुपये का प्रावधान वक्फ संपत्तियों के लिए किया है। वहीं, 200 करोड़ रुपये ईसाई समुदाय के लिए और अन्य धार्मिक स्थलों के लिए 20 करोड़ रुपये के फंड का प्रावधान किया गया है। इसके अलावा 10 करोड़ रुपए की लागत से भव्य हज भवन बनाने की भी घोषणा की गई है जो कि मंगलौर में बनाया जाएगा।

स्पेन में मिला 3 हजार साल पुराना 'एलियन मेटल', शोधकर्ता बोले- ये खजाना पृथ्वी का नहीं

एजेंसी।

स्पेन में चौंकाने वाली खोज की गई है। यहां 3000 साल पुराना खजाना मिला है, जिसकी धातुएं पृथ्वी से बाहर की हैं। इसे 'एलियन मेटल' भी कहा जाता है। इस खजाने में 59 सोने की परत चढ़ी वस्तुएं शामिल हैं।

इसे 1963 में एलिकांटे प्रांत के विलेना शहर के पास खोजा गया था। यह इबेरियन प्रायद्वीप में कांस्य युग की सोने की कलाकृतियों की सबसे महत्वपूर्ण खोजों में से एक है।

दस लाख वर्ष पहले उल्कापिंड से आया मेटल - दिरियाह गेट विकास प्राधिकरण और स्पेनिश राष्ट्रीय अनुसंधान परिषद के शोधकर्ताओं की एक टीम द्वारा हाल ही में किए गए एक अध्ययन से पता चला है कि धातु स्थलीय लोहे से नहीं बने, बल्कि उस मेटल से बनी थीं जो एक उल्कापिंड से आया था जो पृथ्वी पर लगभग दस लाख वर्ष पहले गिर गया था।

मास स्पेक्ट्रोमेट्री का किया गया उपयोग

शोधकर्ताओं ने इन वस्तुओं में लौह-निकल मिश्र धातु के निशान का विश्लेषण करने के लिए मास स्पेक्ट्रोमेट्री का उपयोग किया और पुष्टि की कि वे उल्कापिंड लोहे की संरचना से मेल खाते हैं। उन्होंने वस्तुओं की तुलना प्राचीन संस्कृतियों के उल्कापिंड लौह कलाकृतियों के अन्य ज्ञात उदाहरणों से भी की, जैसे मिस्र के मरास पठार पर पाया गया धातू।

भू-माफिया को लेकर सख्त हुए मुख्यमंत्री योगी

एजेंसी।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा है कि उनकी सरकार के कार्यकाल में कोई भू-माफिया या दबंग गरीबों को उजाड़ नहीं पाएगा। ऐसा दुस्साहस करने वाले के खिलाफ ही कठोर कानूनी कार्रवाई के जरिये उजाड़ने की कार्रवाई सुनिश्चित कर दी जाएगी। उन्होंने कहा कि सरकार गरीबों की जमीन बचाने के लिए तो प्रतिबद्ध है ही, हर जरूरतमंद को पक्का मकान दिलाने के लिए भी प्रतिबद्ध है। जिनके पास भी आवास नहीं है, उन्हें प्रधानमंत्री आवास योजना या मुख्यमंत्री आवास योजना के दायरे

में लाकर पक्का आवास दिलाया जाएगा।

दो दिवसीय गोरखपुर प्रवास के दौरान गुरुवार की सुबह गोरखनाथ मंदिर के महंत दिग्विजयनाथ स्मृति सभागार में नियमित दिनचर्या के बाद मुख्यमंत्री ने प्रदेश भर से समस्या के समाधान की उम्मीद लेकर आए लोगों की बारी-बारी से समस्या सुनी। इस दौरान जब उनके सामने भू-माफिया या दबंगों द्वारा जमीन कब्जा करने के कई मामले आए तो वह सख्त हो गए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि जमीन पर अवैध कब्जा करने वाले हरगिज बख्शे नहीं जाएं। उनके खिलाफ सख्त से सख्त कार्रवाई सुनिश्चित की जाए।

समस्या सुनने के दौरान मुख्यमंत्री ने सभी को आश्वस्त किया कि हर समस्या का समयबद्ध, पारदर्शी और संतुष्टिपरक निस्तारण किया जाएगा। सरकार किसी के भी साथ अन्याय नहीं होने देने और हर व्यक्ति के जीवन में खुशहाली लाने को संकल्पित है।

पनडुब्बी के लिए 500 किमी क्षमता की क्रूज मिसाइल का परीक्षण करेगा भारत

एजेंसी। भारत अगले महीने पनडुब्बी से 500 किलोमीटर तक मार करने में सक्षम क्रूज मिसाइल का परीक्षण करने की तैयारी कर रहा है। यह परीक्षण पूर्वी तट से किया जाएगा। साथ ही रक्षा मंत्रालय इस हफ्ते निर्धारित एक बैठक में जमीन पर मार करने वाली 800 किलोमीटर मारक क्षमता की क्रूज मिसाइल की खरीद पर विचार कर सकता है।

रक्षा अधिकारियों ने बताया कि पनडुब्बी से लॉन्च की जाने वाली क्रूज मिसाइल का विकास

रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन ने किया है। इसे प्रोजेक्ट-75 इंडिया के तहत भारतीय नौसेना द्वारा निर्मित की जाने वालीं स्वदेशी पनडुब्बियों के प्रमुख हथियारों में से एक बनाने की योजना है।

पनडुब्बी से लॉन्च की जाने वाली क्रूज मिसाइल के दो संस्करण - क्रूज मिसाइलों के साथ-साथ कम एवं मध्यम दूरी की बैलिस्टिक मिसाइलें उस रॉकेट फोर्स का हिस्सा भी हो सकती हैं जिसे भविष्य में स्थापित किए जाने की योजना है। पनडुब्बी से लॉन्च की जाने वाली क्रूज मिसाइल के दो संस्करण हैं- जमीन पर मार करने वाली क्रूज मिसाइल (एलएसीएम) और पोत-रोधी क्रूज मिसाइल (एएससीएम)।

विदेश इमरान खान की पार्टी ने दिखाया जलवा

आतंकी हमले, हिंसा और धांधली वाले चुनाव को रद्द करने पाक में मांग

एजेंसी।

पाकिस्तान के सुप्रीम कोर्ट में 8 फरवरी को हुए आम चुनाव को खारिज करने को लेकर एक याचिका दायर की गई है। द एक्सप्रेस ट्रिब्यून की रिपोर्ट के अनुसार, पाकिस्तान सुप्रीम कोर्ट की तीन-न्यायाधीशों की पीठ आम चुनावों को अमान्य घोषित करने की मांग वाली याचिका पर सोमवार को सुनवाई करेगी। पाकिस्तान के नागरिक अली खान ने याचिका में अदालत से गुहार लगाई है कि 30 दिनों के भीतर नए सिरे से चुनाव कराने का आदेश दिए जाएं। इसके अलावा, याचिका में निष्पक्षता, पारदर्शिता और जवाबदेही सुनिश्चित करने के लिए न्यायपालिका की देखरेख और निगरानी में आम चुनाव कराने की मांग की गई है।

पाकिस्तान में 8 फरवरी को हुए चुनाव - द एक्सप्रेस ट्रिब्यून के अनुसार, याचिका में पाकिस्तान चुनाव आयोग (ईसीपी) और संघीय सरकार को मामले में प्रतिवादी बनाया गया है। कथित तौर पर याचिका में मामले का समाधान होने तक नई सरकार के गठन पर रोक लगाने की मांग की गई है। पाकिस्तान में 8 फरवरी को आम चुनाव हुए, जिसमें पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) समर्थित स्वतंत्र उम्मीदवारों ने 92 सीटें हासिल कीं, पाकिस्तान मुस्लिम लीग (नवाज) ने 75 सीटें और पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी ने 54 सीटें हासिल कीं।

चुनाव में धांधली के लगे आरोप

द एक्सप्रेस ट्रिब्यून की रिपोर्ट के अनुसार, विभिन्न राजनीतिक दलों और हारने वाले उम्मीदवारों ने चुनावों में धोखाधड़ी के आरोप लगाए हैं। वहीं सिंध उच्च न्यायालय (एसएचसी) ने निर्देश दिया कि चुनावी निगरानीकर्ता सभी पक्षों की शिकायतें सुनें और कानून के अनुसार 22 फरवरी से पहले निर्णय लें। इसके अलावा, इसमें कहा गया कि चुनाव आयोग को फॉर्म 45 और 47 में आवेदकों के रिकॉर्ड की जांच करनी चाहिए। कोर्ट ने आदेश दिया है कि अगर कोई अनियमितता पाई जाए तो उसे दूर किया जाए। उल्लेखनीय है कि पाकिस्तान के आम चुनावों के बाद, 2024 के आम चुनावों में कथित धांधली के खिलाफ बलूचिस्तान, सिंध और देश के अन्य हिस्सों में व्यापक विरोध प्रदर्शन हुए हैं। नेशनल पार्टी, पीपीपी, जेयूआई, बीएपी, बीएनपी-मेंगल, पीकेएमएपी और पीकेएनएपी सहित राजनीतिक दलों ने प्रमुख मार्गों और जिला रिटर्निंग कार्यालयों में विरोध प्रदर्शन किया, बलूचिस्तान में पुनर्गणना की मांग की और घोषित परिणामों को चुनौती दी। इस बीच, बीएनपी-एम, पीकेएमएपी और हजारा डेमोक्रेटिक पार्टी (एचडीपी) सहित चार राजनीतिक दलों ने प्रांत में कथित चुनाव धांधली के खिलाफ संयुक्त विरोध प्रदर्शन की घोषणा की।

त्रिपुरा में देवी सरस्वती की आपत्तिजनक प्रतिमा पर बवाल, ABVP के छात्रों ने किया विरोध

एजेंसी।

अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) ने वसंतपंचमी के अवसर पर एक सरकारी कॉलेज परिसर में देवी सरस्वती की प्रतिमा को अभद्रता से प्रदर्शित करने पर कड़ा विरोध प्रदर्शन किया है। संबद्ध एबीवीपी के कार्यकर्ताओं ने लिचुबगान के सरकारी संस्थान में पूजा के लिए रखी गई देवी सरस्वती की आपत्तिजनक प्रतिमा के प्रति कड़ा विरोध दर्ज किया। उन्होंने कहा कि यह भारतीय संस्कृति और धार्मिक भावनाओं के विरुद्ध है।

लोकशक्ति
www.lokshakti.in

खास खबर

आयुक्त ने डुमरतराई थोक बाजार, सब्जी बाजार, अनाज मंडी की सफाई व्यवस्था का निरीक्षण किया

रायपुर। प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के आदेशानुसार एवं उपमुख्यमंत्री, नगरीय प्रशासन एवं विकास मन्त्री अरुण साव के निर्देशानुसार रायपुर जिला कलेक्टर डॉक्टर गौरव कुमार सिंह के दिशा - निर्देश एवं नगर पालिक निगम रायपुर के आयुक्त अबिनाश मिश्रा के निर्देश पर राजधानी शहर रायपुर नगर निगम क्षेत्र में सफाई व्यवस्था सुधारने शहर की स्वच्छता रैंकिंग और बेहतर बनाने की दृष्टि से स्वच्छता अभियान निरन्तर प्रगति पर है. प्रतिदिन आयुक्त अबिनाश मिश्रा, अपर आयुक्त, उपायुक्त स्वास्थ्य, जोन कमिश्नरगण, कार्यपालन अभियन्तागण, जोन स्वास्थ्य अधिकारीगण विभिन्न स्थानों की सफाई व्यवस्था का सुबह 6 बजे से निरीक्षण कर सफाई करवा रहे हैं। इस क्रम में आज नगर निगम आयुक्त एवं रायपुर स्मार्ट सिटी लिमिटेड के प्रबंध संचालक अबिनाश मिश्रा ने नगर निगम जोन क्रमांक 10 के तहत डुमरतराई थोक बाजार, थोक अनाज मंडी, थोक सब्जी बाजार की सफाई व्यवस्था का निरीक्षण जोन 10 जोन कमिश्नर दिनेश कोसरिया, कार्यपालन अभियन्ता दिनेश सिन्हा, आशीष शुक्ला, सहायक अभियन्ता फत्तेलाल साहू सहित सम्बंधित अधिकारियों की उपस्थिति में लिया। आयुक्त ने थोक बाजार की सफाई का निरीक्षण कर इसको सुधार कर और अधिक बेहतर बनाने के सम्बन्ध में निर्देश दिये. आयुक्त ने लालपुर में रामकृष्ण केयर हॉस्पिटल के समीप पीपीपी मॉडल के तहत संधारित वालफ्रेंट गार्डन की व्यवस्था देखी।

आपदा के समय मानवता के साथ त्वरित निशुल्क सेवा करें- एम के राउत

मोहला। भारतीय रेड क्रास सोसायटी के मुख्य कार्यपालन अधिकारी सह जनरल सेक्रेटरी एम के राउत ने जिला कार्यालय के सभाकक्ष में जिला स्तरीय भारतीय रेडक्रॉस सोसाइटी की बैठक ली। बैठक में जिले में भारतीय रेड क्रॉस सोसाइटी के गठन और जिला स्तरीय प्रबंधन समिति की संरचना और उनके द्वारा मानवीय सेवा के क्षेत्र में किये जा रहे कार्यों पर विस्तार पूर्वक चर्चा की गई। श्री राउत ने उपस्थित अधिकारीयों व सदस्यों से कहा कि यह संस्था आपदा के समय मानवता पूर्वक त्वरित निशुल्क सेवा के लिए गठित किया गया है। उन्होंने संस्था के उद्देश्य के संबंध में बताते हुए कहा कि भारतीय रेड क्रॉस सोसाइटी में मानवता, निष्पक्षता, तटस्थता, स्वतंत्रता, स्वैच्छिक सेवा, एकता समाहित है। उन्होंने कहा कि प्राकृतिक आपदा या दुर्घटना में घायल व्यक्ति को बिना समय गवाये तत्काल निशुल्क सेवा पहुंचाते हुए उनकी जान बचाने के साथ ही राहत पहुंचाया जाना है। उन्होंने कहा कि आपदा के समय पीड़ित व्यक्ति को निशुल्क सेवा पहुंचना ही इसकी आत्मा है। बैठक में जिले में भारतीय रेड क्रॉस सोसाइटी के गठन, सदस्यों की संख्या बढ़ाने पर चर्चा की गई। उन्होंने जिला शिक्षा अधिकारी से कहा कि स्कूलों के विद्यार्थियों को भारतीय रेड क्रॉस सोसाइटी से जोड़कर उनके हृदय में पीड़ितों की सेवा करने का संचार कराये। उन्होंने कहा कि विद्यार्थी स्वस्फूर्त होकर सेवा करें, यह भाव उसके हृदय में जागृत करें। बैठक में उन्होंने भारतीय रेड क्रॉस सोसाइटी के सदस्यों से कहा कि आप मानवीय संवेदना के क्षेत्र में जुड़े हैं, पीड़ित और आपदा से प्रभावितों को सेवा और सहायता पहुंचाना पुण्य और धर्म का काम है। सदस्यता लेने वाले सदस्यों को भारतीय रेड क्रॉस सोसाइटी की जैकेट और प्रशस्ति पत्र भेंट कर सम्मानित किया।

सूरजपुर में हुआ 34वां राष्ट्रीय यातायात सड़क सुरक्षा माह का हुआ समापन

गुड सेमेरिटन व यातायात जागरूकता में सहयोग करने वाले अधिकारियों को किया गया सम्मानित

सूरजपुर। राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह के समापन अवसर पर आज ऑडिटोरियम भवन में भव्य आयोजन हुआ। इस मौके पर मुख्य अतिथियों ने गुड सेमेरिटन को सम्मानित कर यातायात व्यवस्था में उत्कृष्ट कार्य करने वाले पुलिस जवानों की हौसला अफ्जाई कर स्मृति चिन्ह प्रदान किया। पूरे देश में 1 माह से चल रहे यातायात सड़क सुरक्षा माह का समापन किया गया। कार्यक्रम में बाबूलाल अग्रवाल, कलेक्टर रोहित व्यास, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक एम.आर.आहिरे, डीएफओ पंकज कमल व सीएमएचओ डॉ. आर.एस.सिंह उपस्थित थे।

जिला सूरजपुर पुलिस द्वारा जिले में दिनांक 15 जनवरी से 14 फरवरी 2024 तक राष्ट्रीय यातायात सड़क सुरक्षा माह कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान यातायात प्रभारी सहित थाना-चौकी प्रभारियों के द्वारा लगातार भीड़-भाड़ वाले चौक चौराहों, स्थानों में पम्पलेट, लाउडस्पीकर के माध्यम से लोगों को यातायात नियमों का पालन करने, मालवाहक वाहनों में कभी भी सवारी के रूप में ना बैठने आदि के संबंध में समझाईश दिया गया। यातायात नियमों का पालन करने वाले, हेलमेट धारण करने वाले वाहन चालकों को फूल देकर सम्मानित किया गया और वाहन चालकों के नेत्र परीक्षण शिविर का आयोजन कराया। कार्यक्रम में कलेक्टर रोहित व्यास ने उपस्थितजनों को सम्बोधित करतें हुए सभी को यातायात नियमों का पालन करने की अपील की। उन्होने एक माह पहले शुरू हुए राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह के अंतर्गत चलाये गये जागरूकता अभियान की सराहना करते हुए यातायाता नियमो को प्रत्येक व्यक्ति के लिये महत्वपूर्ण बताया। उन्होने उपस्थित लोगों को सड़क सुरक्षा मितान बनने के लिये प्रेरित किया। इसके साथ ही उन्होने प्रत्येक दो पहिया वाहन चालक को हेलमेट और चार पहिया वाहन चालक को सीट बेल्ट लगाने के लिये प्रेरित किया। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सूरजपुर एम.आर.आहिरे ने यातायात नियम के 4-ई एजुकेशन यातायात नियमों की जानकारी, इनफोर्समेंट, इमरजेंसी सर्विस और इंजीनियरिंग के बारे में विस्तार से बताया। उन्होंने कहा कि पहले सड़क सुरक्षा सप्ताह भर मनाया जाता था किन्तु अब 1 माह मनाया जा रहा है इसके पीछे बड़ी वजह सड़क दुर्घटना है, सड़क दुर्घटनाओं को रोकने की दिशा में लगातार स्कूल-कालेजों व अन्य जगहों में यातायात नियमों की जानकारी दी जा रही है। सड़क दुर्घटना में घायलों की मदद करने हेतु प्रोत्साहित करते हुए कहा कि सड़क दुर्घटना में घायल व्यक्ति की मदद करें, कोई भी आपको परेशान नहीं करेगा, शासन की मंशा के अनुरूप सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने के लिए हम सभी को मिलकर काम करने की जरूरत है। सडक हादसे रोकने में सभी की भूमिका अहम साबित होगी। उन्होंने कहा कि युवा ओवर स्पीड में वाहन न चलाए। दो पहिया वाहन पर तीन सवारी न बैठे। यातायात नियमों का पूरी तरह से पालन करें।

डीएफओ पंकज कमल ने कहा कि किसी की सड़क दुर्घटना होने पर उसका असर पूरे परिवार पर पड़ता है, यातायात नियमों का पालन कर खुद भी सुरक्षित रहे और दूसरे की भी यातायात नियमों की जानकारी दें। बाबुलाल अग्रवाल ने कहा कि सड़क पर सफर के दौरान एक सेकेण्ड की भी लापरवाही दुर्घटना का कारण बन जाती है। सुरक्षित सफर के लिए यातायात नियमों का सदैव पालन करें। सभी को अनुशासित होकर वाहन चलाने एवं ट्रैफिक रूल को अपने जीवन में आत्मसात करने की बात कही। कार्यक्रम को सीएचएमओ डॉ. आर.एस.सिंह ने भी संबोधित करते हुए कहा कि सड़क दुर्घटना में घायलों की मदद जरूर करें क्योंकि दुर्घटना के बाद घायल को 1 घंटे के भीतर उपचार दिलाकर उसकी जान बचाई जा सकती है वह एक घंटा गोल्डन हॉवर होता है।

गुड सेमेरिटन किए गए सम्मानित- समापन अवसर पर अतिथियों के द्वारा गुड सेमेरिटन कुपार देव सिंह, छनुआ, कमलेश राजवाड़े, मुकेश बंगाली, संदीप को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। इसी प्रकार यातायात के नियमों की जानकारी देकर लोगों में जागरूकता लाने वाले उमेश गुर्जर, चित्रकांत जायसवाल, अशोक दुबे, कन्हैयालाल सोनी, समाजसेवी रामबिलास मित्तल, यातायात के आरक्षक कामेश्वर टोप्पो, अनिल लकड़ा, शशिकांत मिश्रा को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। यातायात जागरूकता कार्यक्रम में सहयोग के लिए रेवती रमण मिश्र महाविद्यालय सहायक प्राध्यापक सी.बी.मिश्रा, गर्ल्स स्कूल के प्राचार्य, बालक स्कूल के प्राचार्य एवं एनसीसी सेकेण्ड ऑफिसर सुनील दत्त तिवारी तथा उत्कृष्ट मंच संचालन के लिए अशोक उपाध्याय को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। यातायात नियमों की अनदेखी पर होगी कार्यवाही- वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक सूरजपुर ने कहा कि सड़क सुरक्षा माह के दौरान लोगों को यातायात नियमों का पालन करने की अपील की गई किन्तु आगामी दिनों से पुलिस के द्वारा बिना नंबर, बिना लायसेंस सहित यातायात नियमों की अनदेखी करने वालों पर चालानी कार्यवाही की जायेगी।

कलेक्टर ने दिया दिव्यांगता प्रमाण पत्र तो बच्चों के चेहरे पर आई मुस्कान

जांजगीर-चांपा। कलेक्टर आकाश छिकारा ने जिले के पामगढ़ विकासखंड के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में समाज कल्याण विभाग, स्वास्थ्य विभाग, स्कूल शिक्षा विभाग के संयुक्त रूप से लगाए गए शिविर में स्कूली छात्र छात्राओं के दिव्यांगता जांच शिविर का जायजा लिया। इस दौरान उन्होंने दिव्यांग बच्चों को दिव्यांगता प्रमाण पत्र, उपकरण, व्हीलचेयर का वितरण किया।

जिसे पाकर बच्चों के चेहरे पर मुस्कान आ गई। उन्होंने शिविर के अन्तर्गत दिव्यांगजनों के दिव्यांगता प्रमाण पत्र, यूडीआईडी कार्ड पंजीयन के लिए एवं ब्लॉक स्तरीय मेगा दिव्यांग शिविर के माध्यम से शत प्रतिशत स्कूली विद्यार्थियों का प्रमाणपत्र बनाने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए। शिविर में 169 आवेदन प्राप्त हुए। इसमें पात्रतानुसार

स्कूल विद्यार्थियों का प्रमाणीकरण करते हुए प्रमाण पत्र का वितरण किया गया। इसके साथ यूडीआईडी पंजीयन किया गया।

कलेक्टर ने शिविर में लगाए गए पंजीयन काउंटर की व्यवस्था, नेत्र रोग विशेषज्ञ, हड्डी रोग विशेषज्ञ एवं अन्य विशेषज्ञ डॉक्टरों से चर्चा करते हुए की जा रही जांच की जानकारी ली। इस दौरान उन्होंने कहा कि दिव्यांग प्रमाण पत्र से कोई भी विद्यार्थी वंचित न रहे। सभी की जांच करते हुए पात्रता अनुसार प्रमाण पत्र बनाकर दिए जाने के निर्देश दिए। इस दौरान उन्होंने ग्राम पंचायत सेमरिया की पायल केंवट, जौरेला की स्नेहा जांगड़े को व्हीलचेयर का वितरण किया। व्हीलचेयर पाकर दोनो के चेहरे खुशी से खिल गए। इस दौरान उन्होंने शिविर में विमला कश्यप, गीतांजलि मानिकापुरी, रागनी गुप्ता, मनीष कुमार बघेल, राधिका भैना, श्रद्धा पटेल, वीर यादव, छाया किरण, प्रियंका साहू को दिव्यांगता प्रमाण पत्र एवम एम आर किट का वितरण किया। वही दृष्टि बाधित यंत्र का वितरण अजय कुमार, हेमंत कुमार, मनीष को किया गया। वहीं श्रवण यंत्र लकी, भावना, गगन साहू, डिकेश देवांगन को दिए गए। उप संचालक समाज कल्याण श्री टी पी भावे ने बताया कि शिविर में स्कूली विद्यार्थियों का प्रमाणीकरण किया गया है। जिनमे अस्थिबाधित, दृष्टिबाधित, बहुविकलांग, मानसिक विकलांग, मूकबधिर सहित अन्य दिव्यांग व्यक्तियों का चिन्हांकन, मूल्यांकन तथा परीक्षण किया गया।

इस दौरान जिला पंचायत सीईओ गोकुल कुमार रावटे, डीएमसी आर के तिवारी, डीपीएम उत्कर्ष तिवारी, एसडीएम पामगढ़, जनपद पंचायत सीईओ सहित संबंधित अधिकारी कर्मचारी उपस्थित थे।

कलेक्टर ने लिया सुदूर बीहड़ क्षेत्र में विकास कार्यों का जायजा

कांकेर। जिले के दूरस्थ इलाकों में शासन के विकास कार्यों का जायजा लेने और जमीनी स्तर पर योजनाओं के क्रियान्वयन की जानकारी लेने कलेक्टर श्री अभिजीत सिंह ने आज दुर्गूकोंदल ब्लॉक के बीहड़ एवं दूरस्थ इलाके में स्थित गांवों का आकस्मिक दौरा किया। इस दौरान वे सबसे पहले ग्राम-लाटमरका पहुंचे जहां पर पोटा केबिन में संचालित प्राथमिक शाला के विद्यार्थियों से भेंट कर उनका परिचय पूछा। साथ ही छात्राओं से पहाड़ा भी पूछा, जिस पर छात्रा के. राकेश्वरी जाड़े, खिलेश्वरी और संजना सलाम ने क्रमशः सही उत्तर दिया। इस पर कलेक्टर ने उनकी सराहना करते हुए अन्य बच्चों से ताली बजवाकर उनका उत्साहवर्धन किया। इसके बाद वहां पकाए जा रहे मध्याह्न भोजन का भी निरीक्षण किया। स्कूल में बोर से अनावश्यक रूप से पानी बहाए जाने पर कलेक्टर ने शिक्षक को तत्काल बोर बंद करने और पानी की बचत करने के लिए निर्देशित किया। इसके पश्चात कलेक्टर ने ग्राम मेड़ो से लाटमरका तक प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के तहत निर्माणाधीन 13.5 किलोमीटर लंबे मार्ग का निरीक्षण किया। कार्यपालन अभियंता ने बताया कि उक्त मार्ग 8.05 करोड़ रूपए की लागत से तैयार किया जा रहा है।

कलेक्टर ने इसकी पूर्णता तिथि मार्च 2024 तक निर्माण कार्य को पूरी गुणवत्ता के साथ हर हाल में पूर्ण करने के निर्देश कार्यपालन अभियंता को दिए। इसके बाद पखांजूर-केंवटी मार्ग पर चउंरगांव के समीप 4.42 करोड़ रूपए की लागत से 100 मीटर लंबे निर्माणाधीन पुल का निरीक्षण कर नियत तिथि में निर्माण कार्य पूरा करने कार्यपालन अभियंता प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना को निर्देशित किया।

महाकाल सेना ने पुलवामा के शहीदों को तिरंगा चौक में दी श्रद्धांजलि

गरियाबंद। 14 फरवरी के दिन पुलवामा में शहीद हुए वीरों को याद करते हुए महाकाल सेना के युवकों एवं नगर के वरिष्ठ नागरिक पुलिस प्रशासन व्यापारियो द्वारा तिरंगा चौक में श्रद्धांजलि अर्पित की, महाकाल सेना प्रमुख उत्तम सोनी ने शहीद वीरों के बारे में बताते हुए उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए 2 मिनट का मौन धारण किया।

14 फरवरी 2019 का वो दिन जब पूरे देश की आंखों में आंसू थे और यह भारत के लिए काला दिवस साबित हुआ। इस दिन जम्मू-कश्मीर के जम्मू-श्रीनगर नेशनल हाइवे पर अवंतीपोरा के पास गोरीपोरा में सीआरपीएफ के काफ्लि पर आंतकियों ने हमला किया था और इस हमले में सीआरपीएफ के 44 जवान बलिदान हो गए थे।

पाकिस्तान के आतंकियों द्वारा किए गए इस हमले में सीआरपीएफ के 44 जवान शहीद हो गए थे। आतंकवादियों की इस कायराना हरकत से हर भारतीय की आंखें नम हो गई थीं और इस हमले ने पूरे देश को अंदर से हिलाकर रख दिया था, लेकिन इसका बदला भारतीय सेना पाकिस्तान में आतंकियों के ठिकानों पर सर्जिकल स्ट्राइक कर लिया।

बता दें कि सीआरपीएफ के काफ्लि में करीब 60 से ज्यादा वाहन शामिल थे और इनमें 2 हजार 547 जवान मौजूद थे। 14 फरवरी 2019 के दिन जब सीआरपीएफ का काफ्लिा जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग पर अवंतीपोरा में गोरीपोरा के पास पहुंचा तो जैश-ए-मोहम्मद के आतंकियों ने पुलवामा जिले में विस्फोटक से भरी कार ने सीआरपीएफ जवानों की बस से भिड़ाकर निशाना बनाया था।

इस कारण जोरदार धमाके में 44 जवान बलिदान हो गए थे। धमाका इतना तेज था कि बस के भी चिथड़े उड़ गए। इस हमले की जिम्मेदारी पाकिस्तान के आतंकी संगठन जैश-ए-मोहम्मद ने ली थी। पुलवामा हमले के बाद भारतीय सेना और भारत सरकार ने मिलकर आतंकियों को ललकारते हुए देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा था कि मैं अपने दिल में वही आग महसूस करता हूं, जो आपके अंदर भड़क रही है। पीएम ने यह भी कहा थी कि सभी के आंसुओं का बदला लिया जाएगा और इसके बाद भारत ने जवानों की शहादत का बदला 12 दिनों के अंदर पाकिस्तान में आतंकियों के ठिकाने पर एयरस्ट्राइक कर लिया।

विभागीय योजनाओं के लक्ष्य और प्रगति की समीक्षा

मोहला। कलेक्टर एस जयवर्धन ने कृषि, पशु चिकित्सा, मत्स्य, उद्यानिकी, भूमि संरक्षण व बीज निगम विभाग की समीक्षा बैठक लेकर विभागीय योजनाओं कि समीक्षा की। बैठक में कलेक्टर ने इन विभागों को मिले वित्तीय एवं भौतिक लक्ष्य व प्रगति की समीक्षा की। कलेक्टर ने विभागीय अधिकारियों से कहा कि किसानों को विभागीय योजनाओं से लाभान्वित करने और उनकी आय में वृद्धि करने के लिए बृहद कार्य योजना निर्धारित करें। कलेक्टर ने कहा कि विभागों को मिले वित्तीय और भौतिक लक्ष्य की पूर्ति के लिए विस्तृत कार्ययोजना निर्धारित करते हुए बड़े पैमाने पर किसानों को लाभान्वित करें। उन्होंने कहा कि विभागीय अधिकारी फील्ड में जाकर किसानों से संपर्क करे, और विभागीय योजनाओं की जानकारी दें। किसानों को दलहन, तिलहन, मत्स्य पालन, पशुपालन के लिए प्रोत्साहित करें। किसानों को इसके लिए प्रेरित करने के साथ ही योजनाओं से जोड़कर उनकी आय में वृद्धि करें। कलेक्टर ने कृषि विभाग के अधिकारियों से कहा कि किसानों को कोदो, कूटकी, रागी जैसे मिलेट फसल लेने के लिए प्रोत्साहित करें।

बैठक में कलेक्टर ने कहा कि मिलेट फूड का प्रचलन और मांग तेजी से बढ़ रहा है। इन फसलों को लेने से किसानों को आर्थिक मुनाफा होने की प्रबल संभावना है। बैठक में जिले में किसानों द्वारा उगाये जा रहे कोदो, कुटकी, रागी का रकबा की जानकारी ली गई। इन फसलों को बढ़ावा देने और इसकी उपयोगिता से किसानों को भली भांति अवगत कराने के निर्देश दिये गये।

इसी तरह से दलहन, तिलहन, फसल को बढ़ावा देने के लिए विभागीय अधिकारियों को कार्य योजना बनाने के निर्देश दिये गये हैं। बैठक में कलेक्टर ने रवि फसल 2023-24 के लिए जिले में बीज की उपलब्धता, लक्ष्य पूर्ति और भंडारण की जानकारी ली। कलेक्टर ने निर्देशित करते हुए कहा कि किसानों की मांग के अनुपात में आपूर्ति किया जाना सुनिश्चित करें।

दिव्यांगजन के लिए व्यापक व्यावसायिक मूल्यांकन उपकरण विषय पर दो दिवसीय कार्यक्रम संपन्न

राजनांदगांव। एनआईईपीआईडी सिकंदराबाद के प्रशासनिक नियंत्रण एवं भारतीय पुनर्वास परिषद् के तहत सीआरसी राजनांदगांव द्वारा सीआरसी एकेडेमिक बिल्डिंग बसंतपुर में दिव्यांगजन के लिए व्यापक व्यावसायिक मूल्यांकन उपकरण विषय पर दो दिवसीय सीआरई कार्यक्रम का आयोजन किया गया। सीआरई कार्यक्रम में विभिन्न जिलों से पहुंचे आरसीआई पंजीकृत 20 प्रतिभागियों ने भाग लिया। सीआरई कार्यक्रम के सदस्य गजेन्द्र कुमार साहू द्वारा सभी प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र प्रदान कर सम्मानित किया गया।

खास - खबर

शहर में सुरक्षित यातायात को लेकर कलेक्टर एवं एसपी से मिले

दुर्ग। महापौर धीरज बाकलीवाल ने कलेक्टर ऋचा प्रकाश चौधरी से मुलाकात की और नगर निगम से जुड़ी समस्याओं को लेकर विस्तार से चर्चा की। महापौर धीरज बाकलीवाल ने एसपी जितेंद्र शुक्ला से भी मुलाकात कर पटेल चौक पर हुई दुर्घटना को लेकर चिंता जताई। उन्होंने कलेक्टर एवं एसपी से सड़क दुर्घटनाओं पर रोक लगाने प्रभावी व्यवस्था करने का आग्रह किया।इसके अलावा गंजमंडी कॉम्पलेक्स का हस्तांतरण नगर निगम को किये जाने और कचरा निष्पादन की जमीन के संबंध में भी चर्चा की गई।महापौर ने कहा कि दुर्ग शहर में यातायात व्यवस्था को दुरुस्त करना बेहद जरूरी है। पूर्व में भी कई बार सड़क दुर्घटनाओं में कई लोगों की मौत हो चुकी है। यातायात व्यवस्था को दुरुस्त करने के लिए व्यवस्थित ट्रैफिक प्लान बनाना आवश्यक है। अनियंत्रित यातायात से होने वाली जनहानि को रोकने के लिए तत्काल ठोस पहल करना आवश्यक है।महापौर ने कलेक्टर से चर्चा के दौरान गंजमंडी कॉम्पलेक्स को लेकर भी चर्चा की। उन्होंने कहा कि कॉम्पलेक्स का निर्माण हुए कई साल बीत चुके हैं,लेकिन अभी तक कॉम्पलेक्स की जमीन नगर निगम को हस्तांतरित नहीं की गई है। इस संबंध में नगर निगम द्वारा जिला प्रशासन को पत्र लिखा जा चुका है और अधिकारियों से पूर्व में विस्तार से चर्चा हो चुकी है।इसके अलावा महापौर ने पोटिया में कचरा निष्पादन कार्य के लिए भूमि के लिए भी कलेक्टर से चर्चा की।कलेक्टर ने सभी मुद्दों पर उचित पहल करने आश्वस्त किया।

मतदाता जागरूकता एवं सड़क सुरक्षा अभियान 20 एवं 22 फरवरी को

दुर्ग। जिला शिक्षा विभाग द्वारा मतदाता जागरूकता एवं सड़क सुरक्षा अभियान हेतु अधिकारियों/शिक्षकों एवं कर्मचारियों की दो पहिया वाहन रैली आयोजित की जा रही है। जिसमें 20 फरवरी को 100 महिलायें एवं 22 फरवरी को 100 पुरूष सम्मिलित होंगे। यह रैली प्रात: 10 बजे जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय परिसर दुर्ग से प्रारंभ होकर पटेल चौक, पुराना बस स्टैण्ड, इंदिरा मार्केट रोड से अग्रसेन चौक, ग्रीन चौक, गुरूद्वारा रोड होते हुए राजेन्द्र पार्क चौक से नया बस स्टैण्ड होते हुए वापस जिला शिक्षा अधिकारी कार्यालय दुर्ग परिसर में समाप्त की जाएगी।

बढ़ती उम्र के साथ बढ़ता है स्तन कैंसर का खतरा

दुर्ग। स्तन कैंसर एक ऐसी बीमारी है जिसमें असामान्य स्तन कोशिकाएं नियंत्रण से बाहर हो जाती है और ट्यूमर बन जाती है एवं समय के साथ यह कैंसर का रूप ले लेती है। जिसे स्तन कैंसर कहा जाता है। वर्ष 2020 में वैश्विक स्तर पर लगभग 23 लाख महिलाओं को स्तन कैंसर हुआ। जिसमें से 6.85 लाख महिलाओं की मृत्यु हो गयी। स्तन कैंसर वर्तमान में सबसे आम प्रचलित कैंसर है। जो कि युवावस्था के बाद बढ़ती उम्र के साथ इसके होने का खतरा बढ़ जाता है। वर्तमान में भारत में हर 22 में 1 महिलाओं को स्तन कैंसर के लक्षण हो रहे है जिन्हे सही समय पर जाचं से बचा जा सकता है। हर 01 लाख में 30 महिलाएं स्तन कैंसर से पीडित है। समय पर पता लगने से मृत्यु का खतरा 98 प्रतिशत तक घट जाता है। देश में हर 04 मिनट में 01 महिला को स्तन कैंसर सामने आ रहा है। हर 13 मिनट में 01 महिला की स्तन कैंसर से मृत्यु हो रही है। बढ़ती उम्र, मोटापा, शराब का अत्यधिक उपयोग, पारिवारिक इतिहास, फेपोस्टमेनोपाउसल हार्मोन थैरेपी एवं 40 उम्र के बाद स्तन पर गठानों को अनदेखा कर देने समस्या आगे बढ़ सकती है। स्तन में असामान्य गांठ होना, स्तन के आकार में असामान्य बदलाव, स्तन कैंसर के लक्षण, स्तन में गड्ढे एवं लालिमा, निप्पल से असामान्य खून या तरल रिसाव इसके प्रमुख लक्षण है। असामान्य गांठ वाले स्तन का जांच जरूर कराना चाहिये भले ही उसमें दर्द न हो रहा हो। अधिकतर गांठे स्तन कैंसर नही होती परंतु समय पर जांच होने की दशा में गांठ यदि छोटी अथवा प्रारंभिक अवस्था में हो तो सफ्लतापूर्वक इलाज की संभावना अधिक बढ़ जाती है। स्तन कैंसर के संभावित कारणों में पारिवारिक इतिहास, मासिक धर्म जल्दी प्रारंभ होना (12 वर्ष से अधिक आयु) और देरी से खत्म होना (54 वर्ष से अधिक आयु), एचआरटी लेने वाली महिलाओं में एवं वे महिलाएं जिन्होंने ने नवजात को स्तनपान न कराया हो न ही गर्भधारण किया हो में स्तर कैंसर की संभावना अधिक होती है। स्तन कैंसर शरीर के अन्य अंगो में फैलकर अन्य लक्षणों को भी जन्म देता है।

लाखों श्रद्धालु बनेंगे बाबा की बारात के साक्षी, दया सिंह बोले- भव्य होगा आयोजन, बांटे जाएंगे 31 हजार आमंत्रण पत्र

बोलबम सेवा समिति की महिलाएं लगा रही आमंत्रण पत्र में हल्दी व कुमकुम

8 मार्च को निकलेगी भोले बाबा की बारात, बोल बम सेवा एवं कल्याण समिति ने पूरी की तैयारियां

भिलाई। बोल बम सेवा एवं कल्याण समिति द्वारा भिलाई शहर में निकाली जाने वाली भोले बाबा की बारात की तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। पूरे प्रदेश में महाशिवरात्रि पर सबसे भव्य भोले बाबा की बारात भिलाई में निकलती है। यही नहीं महाशिवरात्रि पर मध्यभारत का ऐतिहासिक कार्यक्रम भिलाई में ही होता है। इस साल आयोजन में चार चांद लग जाएंगे।

हर बार की इस बार भी लाखों श्रद्धालु इस बार बाबा की बारात के साक्षी बनेंगे। समिति द्वारा 31 हजार आमंत्रण पत्र बांटने की तैयारी की गई है। कल से शहर में भोले बाबा की बारात का निमंत्रण पत्र बंटना शुरू हो जाएगा।

बोल बम सेवा एवं कल्याण समिति के अध्यक्ष व नगर निगम भिलाई के उप नेता प्रतिपक्ष दया सिंह ने बताया कि 8 मार्च को हथखोज इंदिरा नगर से बाबा की बारात निकाली जाएगी। उन्होंने कहा कि इस बार बाबा की बारात और भी भव्य हागी। भोले बाबा की बारात व्यवस्थित व भव्य रूप से निकालने के लिए अलग-अलग समितियों का गठन किया है। बारात के लिए कार्ड वितरक महिला समिति में शामिल महिलाएं कार्ड पर पीला चावल और हल्दी-कुमकुम लगा रही हैं। बाबा की बारात को लेकर महिलाओं में गजब का उत्साह देखने को मिल रहा है। शुक्रवार से बाबा की बारात का निमंत्रण कार्ड शहर भर में बांटा जाएगा।

बारात के कार्ड वितरक महिला समिति में यह हैं शामिल

दया सिंह ने बताया कि बारात के कार्ड वितरक महिला समीति में मंजू मिश्रा, प्रभा सिंह, मधु कुमारी, पुष्पा सिंह, हेमलता बिसाई, लक्ष्मी चौहान, पुष्पा राव, राज कली देवी, बेबी शर्मा, बिलोतिन जायशवाल, शुशीला देवी, राधा देवी, नीतू गुप्ता, तारिणी शर्मा, रजविन्दर कौर, अनीमा शाहा, माया दास, प्रीती शर्मा, बबली समा, दिशा, अंजली पटेल, लक्ष्मीदेवी, सेवती, गुहियादेवी, सुभद्रा, सरस्वती, सुल्लावती, श्रीमति, सोहिला, देविका बाई, दुलेश्वरी वाई, सती बाई, कमला, तारा, विभा देवी, पूजा, रिंकी पटेल, गुरुमती, अन्नू बघेल, शकुन्तला शर्मा, रानी, मीरा जायसवाल, पी लता, पी नंदिनी, प्रेमा तिवारी, मुन्नी देवी, ज्योति चौधरी, राधा चौधरी, संगीता तिवारी आदि को शामिल किया गया है।

महिला समूह हुई सम्मानित

भिलाई। शक्ति वंदन कार्यक्रम में सांसद विजय बघेल ने कहा कि महिलाओ के उत्तरोतर प्रगति के लिए केन्द्र एवं राज्य सरकार द्वारा विभिन्न योजनाओ का संचालन किया जा रहा है। योजना का लाभ हर महतारी को मिले इसके लिए महिला स्व सहायता समूह को धरातल पर काम करना होगा।

डॉ. भीमराव अम्बेडकर सर्व समाज मांगलिक भवन बैकुण्ठधाम में शक्ति वंदन अभिनंदन का कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें सांसद विजय बघेल, भिलाई भाजपा के अध्यक्ष महेश वर्मा, महामंत्री योगेन्द्र सिंह, जोन अध्यक्ष जलांधर सिंह, वार्ड पार्षद एन शैलजा, पार्षद संतोष मौर्य की उपस्थिति में 195 महिला स्व सहायता समूह एवं महिला सशक्तिकरण की दिशा में कार्य करने वाले 11 एन.जी.ओ. को सम्मानित करते हुए सांसद ने प्रतिक चिन्ह, प्रशस्ति पत्र एवं श्रीफ्ल प्रदान किया। सभा स्थल पर महिलाओ की भीड़ ने कार्यक्रम का खूब मजा लूटा, महिला कलाकारो ने नृत्य एवं गीत की प्रस्तुति भी दी।

कार्यक्रम में अधीक्षण अभियंता डी.के.वर्मा, कार्यक्रम के नोडल अधिकारी प्रीति सिंह, जोन आयुक्त अमिताभ शर्मा, सहायक अभियंता आलोक पसीने, रमेश साहू, स्वीटी कौशिक, अमिल मिश्रा, अशोक मंडल, विजय शुक्ला, दिलीप शुक्ला, रूपराम साहू, अमन सोनकर, रेखराम बंछोर, उपासना साहू, प्रकाश गेडाम, कांति वर्मा, दीपक गुप्ता, सुरूती घोष, गीता विश्वकर्मा, शरला आचार्य, लता यादव, सहित अन्य नागरिकगण उपस्थित थे।

19 हितग्राहियों को मिला आवासः सीनियर सिटीजन को मिला ग्राऊंड फ्लोर में मकान

रिसाली। रिसाली निगम के लक्ष्मीनगर, प्रदिसि नगर व मैत्रीकुंज में बने प्रधानमंत्री आवास का आवंटन लॉटरी निकालकर गुरुवार को किया गया। वरिष्ठ नागरिक होते आवेदन प्रस्तुत करने वाले हितग्राही को भूतल में आवास मिला। रिसाली महापौर शशि सिन्हा की अध्यक्षता में 19 हितग्राहियों को आवास आवंटन किया गया।

मोर मकान मोर आस घटक के तहत नगर पालिक निगम रिसाली के लक्ष्मीनगर में बने आवास का आवंटन आयुक्त आशीष देवांगन के मार्गदर्शन में किया गया। हितग्राहियों की संख्या कम होने की वजह से 19 आवास का लाटरी निकाली गई।

महापौर की अध्यक्षता में निकाली गई लॉटरी में हितग्राहियों ने स्वयं आवास क्रमांक की पर्ची निकाली। दो हितग्राही ऐसे थे जो वरिष्ठ नागरिक और बीमार थे। उसे ग्राऊंड फ्लोर में आवास मिला। इस अवसर पर महापौर ने रिसाली निगम में हुए आवास आवंटन के लिए हितग्राहियों को बधाई दी। प्रक्रिया में विशेष रूप से महापौर परिषद के सद्स्य अनुप डे, पार्षद सरिता देवांगन,विधि यादव, मंडल अध्यक्ष शैलेन्द्र शेन्डे, निगम सचिव रोहित साहू, प्रधानमंत्री आवास के आदित्य शर्मा, राजकुमारी बघेल आदि उपस्थित थे।

इन्हे मिला आवास

आशमा खातून, नवीता जैन, बीना जोशी, भारती, अंजु, गीता देव बर्मन, टिकेंद्र कुमार साहू, संतोष सिंह, विजय कुमार गुप्ता, अशोक दुबे, सूरज डे, शिव शंकर प्रसाद, शिल्पा यादव, रिंकू सिंह, कीर्ति साहू,कविता सिंह, डोमिन कुंभकर, नेहा सिसोदिया।

इन आवास के लिए कर सकते है आवेदन

नगर पालिक निगम रिसाली क्षेत्र में बने आवास के लिए आम नागरिकों से आवेदन मांगे गए है। लक्ष्मी नगर में 16, प्रदिसी नगर में 299, व मैत्री कुंज में 113 आवास उपलब्ध है।

उद्योग मंत्री लखन लाल देवांगन ने नगपुरा स्थित गौशाला का किया उद्घाटन

दुर्ग। पार्श्वतीर्थ नगपुरा स्थित श्री पार्श्व जीव मैत्रीधाम में नवनिर्मित गौशाला का उद्घाटन आज वाणिज्य और उद्योग एवं श्रम विभाग मंत्री लखन लाल देवांगन द्वारा फीता काटकर किया गया। वाणिज्य मंत्री देवांगन कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए कहा कि गौमाता की सेवा करना बहुत ही पुण्य का काम है। हमारे दैनिक जीवन में गाय की उपयोगिता को नकारा नही जा सकता।

शेडयुक्त गौशाला में 65-70 पशुओं को रखा गया है। सर्वसुविधायुक्त गौशाला में 400 पशुधन रखने की क्षमता है। गौमाता में सभी देवी-देवताओं का वास होता है। आज बहुत सारे गौशालाओं का संचालन जैन समाज द्वारा किया जा रहा है। यह बहुत हर्ष की बात है।

गाय जीवन भर लाभान्वित करने वाला पशु है जिसके सहारे एक परिवार अपना भरण-पोषण कर सकता है। गौमाता से हमें दूध, दही, पनीर, गौ मूत्र इत्यादि प्राप्त होते हैं, जो कि हमारे शरीर के बहुत उपयोगी है। गौमूत्र से बीमारी का उपचार होता है। राज्य सरकार द्वारा गौ संरक्षण की दिशा में लगातार सकारात्मक प्रयास किए जा रहे हैं। सरकार विभिन्न जन कल्याणकारी योजनाओं का क्रियान्वयन करने के लिए कृत संकल्पित है। गौशाला निर्माण से शहर के लोगों के अलावा आसपास के गांव के लोगों को भी राहत मिलेगी। इस गौशाला में दुर्घटना से घायल, बीमार एवं ज्यादा उम्र होने जाने पर किसान पशुओं का भरण-पोषण नही कर पाते हैं और उसे ईधर उधर छोड़ देते हैं।

जैनों द्वारा निर्मित इस सर्वसुविधायुक्त गौशाला में गायों का उपचार और उनकी देख-रेख व उनका भरण-पोषण किया जाएगा। इस अवसर पर विधायक धरमजीत सिंग ने कहा कि जैन मंदिर का दर्शन, पूजा-अर्चना कर व उनके सिद्धांतों को सुनकर मन को काफी शांति प्राप्त होती है। जैन समाज सादगी, करूणा, ममता और दया पर विश्वास रखने वाला समाज है। गौमाता खेतों को उर्वरा प्रदान करती है। जैन समाज का मानवीय कल्याण में महत्वपूर्ण योगदान रहता है।

इस अवसर पर रितेश बैस, ट्रस्ट के अध्यक्ष गजराज पागरिया सहित समाज के पदाधिकारीगण उपस्थित थे।

प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना में ई-केवाईसी कराना अनिवार्य

दुर्ग। भारत सरकार द्वारा प्रधानमंत्री किसान निधि योजना अंतर्गत अधिक से अधिक पात्र एवं वास्तविक किसानों को योजना का लाभ मिल सके इस हेतु आगामी 16वीं किस्त जारी होने के पूर्व योजना में पंजीकृत ऐसे समस्त किसान जिनका केवाईसी लंबित है, को ई-केवाईसी करवाना अनिवार्य है। ई-केवाईसी पूर्ण होने के उपरांत ही पंजीकृत किसानों को किस्त की राशि जारी की जायेगी। जिले में कुल 429 किसानों का ई-केवाईसी लंबित है, जिसमें विकासखंड धमधा के 103, दुर्ग के 61 एवं पाटन के 249 किसान शामिल है। जिसकी सूची कृषि विभाग के मैदानी अधिकारियों एवं जिले के समस्त ग्राहक सेवा केन्द्रों को उपलब्ध कराई गई है। इस हेतु जिले में 12 से 21 फरवरी 2024 तक ग्राम स्तरीय अभियान चलाया जा रहा है। कलेक्टर सुश्री ऋचा प्रकाश चौधरी ने किसानों को अपील करते हुए कहा है कि वे अपने क्षेत्रीय कृषि अधिकारी एवं नजदीकी ग्राहक सेवा केन्द्र से संपर्क कर ई-केवाईसी पूर्ण करा सकते है अथवा किसान स्वयं भी दिये गये लिंक के माध्यम से ओटीपी आधारित ई-केवाईसी पूर्ण कर सकते हैं। इस हेतु ग्रामवार समाधान शिविरों का आयोजन भी किया जा रहा है।

उप संचालक कृषि से प्राप्त जानकारी के अनुसार हितग्राही सबंधित बैंक में संपर्क कर आधार सीडिंग/डीबीटी सक्रिय कराने हेतु आधार कार्ड एवं पासबुक की छायाप्रति, आवेदन के साथ बैंक में जमा कर अथवा नजदीकी पोस्ट ऑफिस में इंडिया पोस्ट पेमेंट बैंक में आधार आधारित भुगतान हेतु नवीन खाता चालू कर सकते हैं। ऐसे हितग्राही जिनके पंजीयन में भूमि विवरण आधार से लिंक नहीं है, वे अपने क्षेत्रीय कृषि अधिकारी के पास आधार कार्ड एवं बी-1 की छायाप्रति जमा कर पूर्ण करा सकते हैं।

भिलाई स्टील प्लांट ने अप्रैल से जनवरी 2024 के बीच बनाया उत्पादन का रिकार्ड, सभी प्रमुख मापदंडों में किया अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन

भिलाई। सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र ने वित्तीय वर्ष के अप्रैल से जनवरी 2024 के दस महीने की अवधि में अब तक का सर्वश्रेष्ठ हॉट मेटल, क्रूड स्टील और सेलेबल स्टील उत्पादन दर्ज किया है। वर्तमान वित्त वर्ष की अप्रैल 2023 से जनवरी 2024 की अवधि में संयंत्र की ब्लास्ट फर्नेस ने उच्चतम हॉट मेटल उत्पादन 4.91 मिलियन टन दर्ज किया, एवं वित्त वर्ष 2010-11 की इसी अवधि में दर्ज पिछले सर्वश्रेष्ठ उत्पादन 4.77 मिलियन टन को पार किया।

इसमें संयंत्र की सबसे बड़ी फर्नेस, ब्लास्ट फर्नेस-8 द्वारा उत्पादित 2.20 मिलियन टन हॉट मेटल शामिल है, जो कि वर्ष 2021-22 की इसी अवधि में दर्ज पिछले सर्वश्रेष्ठ 2.11

मिलियन टन हॉट मेटल उत्पादन से कहीं अधिक है। वर्तमान वित्त वर्ष की अप्रैल 2023 से जनवरी 2024 की अवधि में स्टील मेल्टिंग शॉप-2 (एसएमएस-2) और एसएमएस-3 द्वारा अब तक का सर्वश्रेष्ठ कुल 4.65 मिलियन टन क्रूड स्टील उत्पादन दर्ज किया गया एवं वित्त वर्ष 2010-11 की इसी अवधि में दर्ज पिछले सर्वश्रेष्ठ उत्पादन 4.45 मिलियन टन को पार कर लिया गया। मॉडेक्स यूनिट, एसएमएस-3 ने पिछले वित्तीय वर्ष 2022-23 की अप्रैल से जनवरी अवधि में दर्ज कुल कास्ट स्टील उत्पादन 2.48 मिलियन टन और कास्ट बिलेट उत्पादन 1.51 मिलियन टन को पार करते हुए क्रमश: 2.82 मिलियन टन कास्ट स्टील और 1.92 मिलियन टन कास्ट बिलेट उत्पादन दर्ज किया।

वर्तमान वित्त वर्ष की अप्रैल 2023 से जनवरी 2024 की अवधि में अब तक का सर्वश्रेष्ठ 4.33 मिलियन टन सेलेबल स्टील उत्पादन दर्ज किया गया, जो वित्तीय वर्ष 2022-23 की इसी अवधि में दर्ज 3.93 मिलियन टन से कहीं अधिक है। संयंत्र ने पिछले वित्त वर्ष 2022-23 की अप्रैल से जनवरी अवधि की तुलना में हॉट मेटल उत्पादन में 11.3 प्रतिषत की वृद्धि दर्ज की। इसी प्रकार क्रूड स्टील और सेलेबल स्टील उत्पादन दोनों में पिछले वित्त वर्ष 2022-23 की अप्रैल से जनवरी की अवधि की तुलना में 10.2 प्रतिषत की वृद्धि दर्ज की गई। लांग रेल उत्पादन के क्षेत्र में, संयंत्र की मॉडेक्स यूनिट यूनिवर्सल रेल मिल ने अप्रैल 2023 से जनवरी 2024 अवधि के दौरान अब तक का सर्वश्रेष्ठ 6.67 लाख टन लांग रेल उत्पादन कर, वर्ष 2022-23 की इसी अवधि में दर्ज पिछले सर्वश्रेष्ठ 6.13 लाख टन को पार किया। रेल एंड स्ट्रक्चरल मिल ने भी वित्त वर्ष 2012-13 में रिकॉर्ड किए गए पिछले सर्वश्रेष्ठ 1.23 लाख टन उत्पादन की तुलना में सर्वश्रेष्ठ लांग रेल उत्पादन 1.37 लाख टन दर्ज किया। वर्ष 2022-23 की इसी अवधि में दर्ज पिछले सर्वश्रेष्ठ कुल लांग रेल उत्पादन 7.34 लाख टन की तुलना में अब तक का सर्वश्रेष्ठ 8.05 लाख टन लांग रेल उत्पादन दर्ज किया गया। मॉडेक्स इकाई बार एंड रॉड मिल ने भी अप्रैल 2023 से जनवरी 2024 अवधि के दौरान अब तक का सर्वश्रेष्ठ 8.26 लाख टन उत्पादन दर्ज किया, जो कि वर्ष 2022-23 की इसी अवधि में दर्ज पिछले सर्वश्रेष्ठ उत्पादन 6.75 लाख टन से कहीं अधिक है। प्लेट मिल ने अब तक का सबसे अधिक 2.28 लाख टन हाई टेंसाइल प्लेट उत्पादन दर्ज कर, वर्ष 2016-17 की इसी अवधि में दर्ज पिछले सर्वश्रेष्ठ 1.94 लाख टन उत्पादन को पीछे छोड़ा।

संयंत्र ने वर्तमान वित्त वर्ष अप्रैल 2023 से जनवरी 2024 अवधि के दौरान अब तक का सर्वश्रेष्ठ 4.30 मिलियन टन सेलेबल स्टील लोडिंग दर्ज किया, जो कि वित्तीय वर्ष 2021-22 की इसी अवधि में दर्ज पिछले सर्वश्रेष्ठ लोडिंग 3.89 मिलियन टन को पार कर गया। इसमें ग्राहकों को किए गए 2.27 मिलियन टन डायरेक्ट डिस्पैच की लोडिंग भी शामिल है, जो कि वित्त वर्ष 2022-23 की अप्रैल से जनवरी अवधि में दर्ज पिछले सर्वश्रेष्ठ 2.18 मिलियन टन लोडिंग से अधिक है।

संपादकीय

किसानों के बहाने चुनाव जितने का ख्वाब ना देखे विपक्ष

26 महीने बाद देश में किसान आंदोलन की आग फिर से सुलग उठी है. सोमवार को केंद्र सरकार से बातचीत बेनतीजा रहने के बाद प्रदर्शनकारी किसानों ने दिल्ली चलो का नारा दिया था. इसके बाद से ही किसानों का दिल्ली बॉर्डर के आसपास प्रदर्शन जारी है।

किसान नेताओं का दावा है कि किसान इस बार पिछली बार से ज्यादा मजबूती के साथ दिल्ली कूच की तैयारी कर रहे हैं. अब तक 50 किसान और मजदूर संगठनों ने आंदोलन का समर्थन किया है. किसान आंदोलन को देखते हुए दिल्ली के कई बॉर्डर्स को पूरी तरह से सील कर दिया गया है.

किसान नेता सरवन सिंह पंढेर ने पत्रकारों से बातचीत करते हुए कहा है कि हमारी मांगों को अगर नहीं माना गया तो हम दिल्ली जाएंगे. सरकार हमें दिल्ली जाने से रोक रही है, लेकिन किसान रुकेंगे नहीं. पंजाब किसान मजदूर संघर्ष कमेटी के महासचिव पंढेर आंदोलन के अगुवा हैं.

26 महीने बाद फिर से प्रदर्शन को मजबूर क्यों हुए किसान? किसान आंदोलन को लेकर बनाई गई कोर कमेटी के सदस्य परमजीत सिंह के मुताबिक, सरकार की वादाखिलाफी एक बड़ी वजह है. 2021 में सरकार ने किसान नेताओं से कुछ वादे किए थे, जिसमें एमएसपी को सरकारी गारंटी में लाने और सभी किसानों के खिलाफ दर्ज मुकदमे हटाने की बात कही गई थी. सिंह कहते हैं, ''3 साल बाद भी किसानों के खिलाफदर्ज मुकदमों को नहीं हटाया गया है और ना ही न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) को सरकारी गारंटी के दायरे में लाया गया है।

काठ की हांडी दोबारा चढ़ाने की कोशिश

हरिशंकर व्यास

भारत सरकार ने लोकसभा चुनाव से पहले अपने 10 साल के राज की कामयाबियों के बारे में बताने के साथ साथ उससे 10 साल पहले के कांग्रेस राज की कमियां बताई हैं। सोचें, 10 साल पहले जिन मुद्दों पर भाजपा ने चुनाव लड़ा था, जिन मुद्दों को नरेंद्र मोदी ने अपने प्रचार की थीम में रखा था, जिन मुद्दों को लेकर नारे गढ़े थे और पूरे देश में होर्डिंग्स-पोस्टर लगे थे उन्हीं मुद्दों पर फिर से चुनाव लडने की तैयारी है। सरकार को पता था कि जब वह मनमोहन सिंह की सरकार के 10 साल यानी 2004 से 2014 के राजकाज पर श्वेत पत्र लाएगी तो यह सवाल उठेगा कि अभी इसकी क्या जरुरत है इसलिए श्वेत पत्र में बताया गया है कि 2014 में चुनाव जीतने के बाद श्वेत पत्र इसलिए नहीं लाया गया क्योंकि उससे लोगों का मनोबल टूटता और विदेशी निवेशकों में नकारात्मक मैसेज जाता।सोचें, कितना लचर तर्क है। क्या विदेशी निवेशक सरकारी आंकड़ों पर निर्भर रहते हैं? उनके पास वर्ल्ड बैंक से लेकर आईएमएफजैसी संस्थाओं के अलावा एसएंडपी, फिच, पीडब्लूसी, मेरिल लिंच जैसी दुनिया की प्रतिष्ठित संस्थाएं हैं, जो रियल टाइम वास्तविक डाटा उपलब्ध कराती हैं और विदेशी निवेशक उसके आधार पर फैसला करते हैंजहां तक लोगों के मनोबल का सवाल है तो इंडिया अगेंस्ट करप्शन यानी अन्ना हजारे और अरविंद केजरीवाल ने मिल कर भ्रष्टाचार का ऐसा हल्ला बनवाया था कि उसके बारे मे जानने के लिए किसी को श्वेत पत्र की जरुरत ही नहीं थी। बाद में भाजपा ने अपने प्रचार से इसे और बड़ा मुद्दा बना दिया। सरकार को पता है कि भाजपा इस मुद्दे को 10 साल पहले भुना चुकी है। इसलिए उस समय श्वेत पत्र लाने का कोई मतलब नहीं था। लोगों को सब कुछ पता था। उलटे थोड़े दिन के बाद इन सबकी हकीकत भी खुल गई, जब संचार घोटाले के आरोपी बरी हो गए, कोयला घोटाले में किसी नेता को सजा नहीं हुई, मनमोहन सिंह पर कोई आंच नहीं आई और महंगाई वैसी ही रही, जैसे पहले थी या उससे बढ़ गई।अब 10 साल बाद श्वेत पत्र लाकर उस समय की यादों को ताजा बनाया जा रहा है। लेकिन यह काठ की हांडी को दोबारा चुल्हे पर चढ़ाने की तरह है, जिसका कोई तर्क अभी समझ में नहीं आता है। जब रामजी आ गए हैं, उनकी प्राण प्रतिष्ठा हो गई है, काशी कॉरिडोर बन गया है, महाकाल लोक का उद्घाटन हो गया है, मां कामख्या और मां विंध्यवासिनी कॉरिडोर बन रहा है, समान नागरिक संहिता लागू होनी शुरू हो गई है, अनुच्छेद 370 हटा दिया गया है, तीन तलाक के खिलाफकानून बन गया है और केंद्रीय मंत्री खम ठोंक कर कह रहे हैं कि नागरिकता संशोधन कानून यानी सीएए चुनाव से पहले लागू होने जा रहा है तो फिर ऐसे श्वेत पत्र का क्या मतलब है, जिसकी बारीकी में जाने पर खुद सरकार की पोल खुलती है?सरकार दावा कर रही है कि मनमोहन सिंह की सरकार के समय महंगाई की दर बहुत ऊंची थी। इसमें कोई संदेह नहीं है कि महंगाई दर ऊंची थी लेकिन उसी अनुपात में जीडीपी की दर भी ऊंची थी। और दूसरा कारण यह था कि 2004 से 2014 के बीच आमतौर पर कच्चे तेल की कीमत बहुत ऊंची थी। एक समय तो अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमत 110 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच गई थी। जो कि नरेंद्र मोदी के प्रधानमंत्री बनने के थोड़े समय के बाद ही गिर कर 40 डॉलर प्रति बैरल तक आ गई थी। तभी मोदी ने खुद को नसीब वाला प्रधानमंत्री बताया था। आज भी कच्चे तेल की कीमत 75 डॉलर प्रति बैरल है लेकिन भारत में पेट्रोल एक सौ रुपए लीटर या उससे ऊंची कीमत पर बिक रहा है, जो मनमोहन सिंह के समय 70 रुपए लीटर के आसपास रहता था। इसी अनुपात में डीजल और रसोई गैस के सिलिंडर के दाम भी बढ़े हैं। जब अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चा तेल सस्ता हो रहा था तो जनता को उसका लाभ देने की बजाय मोदी सरकार ने उत्पाद शुल्क बढ़ा कर उसके दाम बढाए। ईंधन की महंगाई का नतीजा यह हुआ है कि हर चीज की महंगाई बढ़ी है।

राजनीतिक पैमाने पर रत्नों का चुनाव

अजीत द्विवेदी

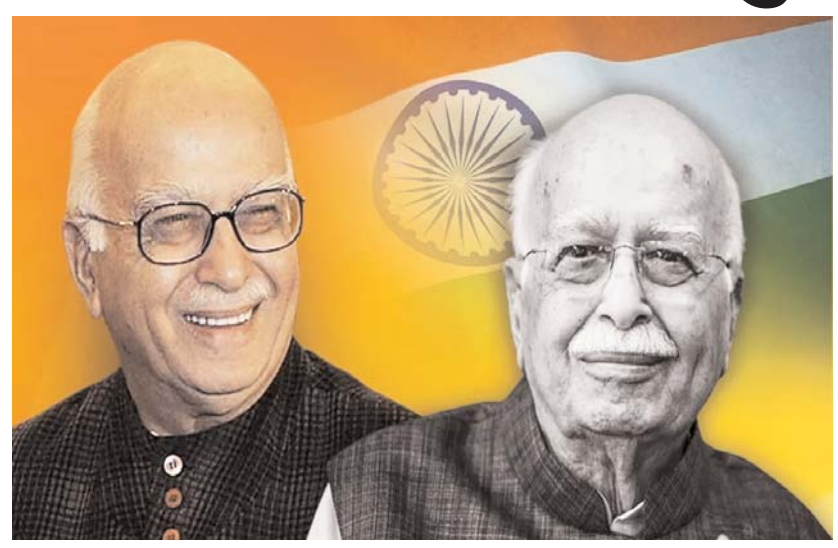

दुनिया का कोई भी पुरस्कार या सम्मान किसी व्यक्ति की महानता के मूल्यांकन का पैमाना नहीं हो सकता है। पिछली सदी के सबसे महान राजनीतिक व सामाजिक विचारक और आंदोलनकारी महात्मा गांधी को शांति का नोबल पुरस्कार नहीं मिला है। लेकिन इससे गांधी की महानता में रत्ती भर फर्क नहीं पड़ता है। ऐसे ही जितने लोगों को नोबल पुरस्कार मिले हैं वे सब हर कसौटी पर महान हैं ऐसा भी नहीं माना जा सकता है। दुनिया का सर्वोच्च नागरिक सम्मान, खासकर शांति, साहित्य और अर्थशास्त्र का नोबल अक्सर भू-राजनीतिक स्थितियों से प्रभावित होता है। अमेरिकी और पश्चिमी दुनिया के राजनीतिक नैरेटिव के हिसाब से ये पुरस्कार दिए जाते हैं। तभी इस सर्वोच्च पुरस्कार के विरोधाभास कई बार हैरान करने वाले होते हैं। महात्मा गांधी को शांति का नोबल नहीं मिला, लेकिन जिस व्यक्ति की कूटनीति से दुनिया के कई हिस्सों में हजारों लोग मारे गए उस हेनरी किसिंजर को शांति का नोबल मिला। अमेरिका को एक के बाद एक छह युद्धों में धकेलने वाले बराक ओबामा को भी नोबल मिला और दुनिया में युद्ध नीति के सबसे बड़े जानकार माने गए विंस्टन चर्चिल को शांति का तो नहीं लेकिन साहित्य का नोबल मिला।दुनिया में नोबल पुरस्कारों को लेकर जैसी राजनीति होती रही है और पुरस्कार जिस तरह से भू-राजनीतिक स्थितियों से प्रभावित होते रहे हैं उसी तरह भारत रत्न का भी मामला है। भारत के अनेक महान स्वतंत्रता सेनानियों को उनके निधन को दशकों बाद भारत रत्न दिया गया। सोचें, कैसी विडंबना है कि डॉक्टर भीमराव अंबेडकर को एमजी रामचंद्रन के दो साल बाद 1990 में भारत रत्न मिला और सरदार वल्लभ भाई पटेल व मोरारजी देसाई को राजीव गांधी के साथ 1991 में भारत रत्न दिया गया। महान स्वतंत्रता सेनानी जयप्रकाश नारायण को तो और भी इंतजार करना पड़ा। उनको 1999 में भारत रत्न मिला तो मदन मोहन मालवीय को 2015 में सर्वोच्च नागरिक सम्मान दिया गया। भारत रत्न दिए जाने के इस पैटर्न को देख कर समझा जा सकता है कि किस तरह से विचारधारा के आधार पर सरकारों ने भेदभाव किया और भारत रत्नों का चुनाव किया। अब भी इस देश के सबसे मौलिक राजनीतिक-सामाजिक विचारक राममनोहर लोहिया को भारत रत्न नहीं मिला। बाबू जगजीवन राम से लेकर कांशीराम तक अनेक नेता ऐसे हैं, जिनको यह सम्मान नहीं मिला है। लेकिन इससे भारतीय राजनीति और समाज में उनक योगदान कम नहीं हो जाता है। चूंकि भारत रत्न के लिए ऐसी महान विभूतियों के नाम पर विचार नहीं होता है, जिनका निधन आजादी से पहले हो गया था इसलिए विभूतियों की सूची थोड़ी छोटी हो जाती है फिर भी ऐसी अनेक विभूतियां हैं, जो इससे वंचित रह गई हैं।असम में आजादी के बाद ही कांग्रेस की सरकारों ने इस सर्वोच्च नागरिक सम्मान को राजनीति का एक टूल बना दिया था। आखिरी बार जब कांग्रेस की सरकार को भारत रत्न देने का मौका मिला तो उसने 2014 में सचिन तेंदुलकर को भारत रत्न दिया था। उस समय सचिन की उम्र 40 साल के करीब थी और वे खेल से रिटायर भी नहीं हुए थे। सोचें, भारत रत्न में खेल की श्रेणी नहीं थी इसलिए पहले की सरकारों ने महान ध्यानचंद या मिल्खा सिंह को इससे सम्मानित नहीं किया था। लेकिन जब खेल की श्रेणी में पुरस्कार दिया गया तो कांग्रेस की सरकार को सचिन तेंदुलकर पहले खिलाड़ी मिले, जिनको भारत रत्न दिया गया। उस समय लोकसभा के साथ ही महाराष्ट्र के विधानसभा चुनाव भी थे तो किसी ने कांग्रेस के नेताओं को समझाया होगा कि इससे महाराष्ट्र लगातार चौथी जीत मिल सकती है। सोचें, कैसी विडंबना है कि भारत रत्न सचिन अभी तक कोल्ड ड्रिंक्स से लेकर इनवर्टर का विज्ञापन कर रहे हैं!भारत रत्न को लेकर जब भी यह बात उठती है कि पंडित नेहरू और इंदिरा गांधी ने खुद प्रधानमंत्री रहते भारत रत्न ले लिया तो कांग्रेस के नेता या उसके इको सिस्टम में काम करने वाले फ्रीलांस विचारक कुछ तथ्य निकाल कर समझाते हैं कि कैसे नेहरू और इंदिरा ने खुद भारत रत्न नहीं मिला था, बल्कि राष्ट्रपति या दूसरे लोगों ने जबरदस्ती करके दिलाया था। सोचें, क्या आज राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू या सरकार के मंत्री जैसे राजनाथ सिंह या एस जयशंकर, निर्मला सीतारमण आदि जिद करके नरेंद्र मोदी को भारत रत्न दिला दें तो कांग्रेस इसे बरदाश्त करेगी? क्या इसकी आलोचना नहीं होगी? यह एक बहुत खराब परंपरा है, जिसकी शुरुआत कांग्रेस ने आजादी के सबसे बड़े नायकों में से एक और आधुनिक भारत के निर्माता पंडित नेहरू के समय ही कर दी थी।बहरहाल, कांग्रेस ने जिस तरह भारत रत्न का इस्तेमाल किया अब भाजपा की सरकार भी उसी तरह इसका इस्तेमाल कर रही है। नरेंद्र मोदी ने अपने 10 साल के शासन में 10 भारत रत्न दिए हैं, जिनमें से आठ राजनीतिक पृष्ठभूमि वाले हैं। भूपेन हजारिका और एमएस स्वामीनाथन दो ही ऐसे भारत रत्न हैं, जिनका राजनीति से मतलब नहीं था। नानाजी देशमुख भी राजनीति में रहे थे और बाद में सामाजिक-सांस्कृतिक गतिविधियों में ज्यादा समय दिया। इनके अलावा बाकी भारत रत्न पाने वाली राजनीतिक हस्तियों को देखें तो स्पष्ट रूप से राजनीतिक पैटर्न दिखेगा। मोदी सरकार ने पहले साल में अटल बिहारी वाजपेयी को भारत रत्न दिया। इसका पैमाना एक ही था कि वे भाजपा के संस्थापक नेता था और देश के प्रधानमंत्री रहे। अगर देश का प्रधानमंत्री होना भारत रत्न का पैमाना है तो फिर वीपी सिंह, चंद्रशेखर, एचडी देवगौड़ा, आईके गुजराल और मनमोहन सिंह क्यों वंचित रहेंगे? इनके पांच के अलावा सिर्फ नरेंद्र मोदी ही भारत रत्न से वंचित हैं। बाकी सभी आठ प्रधानमंत्रियों और दो बार कार्यवाहक प्रधानमंत्री रहे गुलजारीलाल नंदा को भारत रत्न मिल चुका है।भारत रत्न के बारे में कुछ नियम तय हैं। जैसे एक अघोषित नियम यह है कि इसकी घोषणा आमतौर पर गणतंत्र दिवस की पूर्व संध्या पर की जाती है। इस साल गणतंत्र दिवस से पहले एक और बाद में चार पुरस्कारों की घोषणा हुई है। एक नियम यह भी है कि एक साल में तीन से ज्यादा भारत रत्न नहीं दिए जाएंगे लेकिन इस साल पांच भारत रत्न दिए गए हैं। चुनावी साल में पांच लोगों को भारत रत्न देकर अलग अलग जातियों, समुदायों और भौगोलिक क्षेत्र के सामाजिक, राजनीतिक समीकरण को साधने का प्रयास साफ दिख रहा है। जिस तरह से पहले राजनीतिक नफा-नुकसान को ध्यान में रख कर अलग अलग समुदायों या भौगोलिक क्षेत्र में रहने वालों को खुश करने के लिए भारत रत्न चुने जाते थे वही परंपरा अब भी चल रही है। नरसिंह राव को भारत रत्न दिया गया, जिन्होंने आर्थिक सुधार किए थे लेकिन यह देखने की जरुरत नहीं समझी गई कि वे पहले प्रधानमंत्री थे, जिनके ऊपर सांसदों को रिश्वत देकर अपनी सरकार बचाने के आरोप लगे थे। ये आरोप प्रमाणित भी हुए थे। यह अलग बात है कि संसदीय विशेषाधिकार की वजह से रिश्वत लेने वाले सांसद और देने वाले सभी बच गए थे।चौधरी चरण सिंह महान किसान नेता थे। उनकी ईमानदारी के भी किस्से कहे जाते हैं। लेकिन उतना ही अकल्पनीय उनका सत्ता मोह था। प्रधानमंत्री बनने के लिए उन्होंने राजनारायण के साथ मिल कर जिस तरह से जोड़ तोड़ किए थे, कई बार पार्टियां बदलीं और उस समय बाबू जगजीवन राम को बदनाम करने के लिए उनके बेटे सुरेश राम की एक महिला के साथ अश्लील तस्वीरों का कांग्रेस के साथ मिल कर जैसा इस्तेमाल हुआ था वह उनकी राजनीति के उजले पक्ष को नहीं दिखाता है। जिस कांग्रेस के खिलाफ जीवन भर लड़े उसकी मदद से प्रधानमंत्री बनने और अपमानजनक तरीके से हटने के घटनाक्रम से कोई अच्छा राजनीतिक मानक स्थापित नहीं हुआ था। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने वैचारिक व राजनीतिक मार्गदर्शक लालकृष्ण आडवाणी को भारत रत्न दिया। उनके ऊपर बाबरी मस्जिद का विवादित ढांचा तोडने का मुकदमा चला था और लंबी मुकदमेबाजी के बाद नवंबर 2022 में वे बरी हुए। उनका नाम जैन हवाला डायरी में भी था और उस समय सुब्रह्मण्यम स्वामी ने दावा किया था कि वे साबित कर देंगे कि आडवाणी को दो करोड़ रुपए मिले थे। हालांकि बाद में इस मामले में भी आडवाणी बरी हो गए थे। उनके अलावा मोदी सरकार ने प्रणब मुखर्जी को भी भारत रत्न दिया, जिनके बारे में यह आम धारणा है कि देश में क्रोनी कैपिटलिज्म को एक राजनीतिक शिष्टाचार के तौर पर स्थापित करने में उनका अतुलनीय योगदान रहा। देश के एक बड़े कारोबारी घराने को किस तरह उन्होंने स्थापित किया, मदद की, वह लोक कथा की तरह प्रचलित है। भारतीय राजनीति में उनके सकारात्मक और निर्मल योगदान की तलाश के लिए बहुत गहरी खुदाई की जरुरत होगी। इन सबके बीच एक चमकदार टापू की तरह कर्पूरी ठाकुर का भी नाम है, जिन्हें इस साल भारत रत्न मिला है।

यह निजी विचार है।

युवाओं के हौसलों की उड़ान को संबल

- प्रमोद भार्गव

बीते कुछ सालों में भारत ने अंतरिक्ष के क्षेत्र में अनेक वैश्विक उपलब्धियां हासिल करके दुनिया को चौंकाने का काम कर दिया है। इनमें पहली बार चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर पहुंचना, सूर्य के अध्ययन के लिए आदित्य-एल मिशन प्रक्षेपित करना और इसरो द्वारा ब्लैक होल के रहस्यों को खंगालने के लिए उपग्रह भेजने जैसी उपलब्धियां शामिल हैं। भविष्य में भारत अंतरिक्ष में मानव युक्त गगनयान भेजने और शुक्र ग्रह पर पर जाने की तैयारी में है। धरती और समुद्री सतह पर भी उल्लेखनीय वैज्ञानिक उपलब्धियां हासिल की हैं। बावजूद वैज्ञानिक अनुसंधानों में भारत कई देशों से पिछड़ रहा है। धन की कमी के चलते संस्थाएं और मौलिक सोच रखने वाले युवा सपने देखते ही रह जाते हैं। इसकी एक वजह निजी क्षेत्र का अनुसंधान में ज्यादा योगदान नहीं देना भी रहा है।

अब 2024 के अंतरिम बजट में ऐसे प्रावधान कर दिए हैं, जो युवाओं के सपने पूरा करने में मदद करेंगे। उन्हें अब धन की कमी आड़े नहीं आएगी। शोध के लिए वे जितना चाहेंगे, ब्याज मुक्त धन मिल जाएगा। बजट में सरकार ने युवाओं के सपने साकार करने के लिए बड़ा ऐलान किया है। इसके अंतर्गत 50 वर्षों तक के लिए ब्याज मुक्त ऋण हेतु एक लाख करोड़ रुपये की निधि तय की गई है, इससे उभरते नवीन क्षेत्रों में अनुसंधान और आविष्कारों के लिए आर्थिक मदद दी जाएगी। इस पहल से शोध में तो तेजी आएगी ही, नए रोजगार भी विकसित होंगे। इसे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'जय अनुसंधान' नारे से जोड़कर देखा जा रहा है।

हालांकि नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अंतर्गत 'राष्ट्रीय शोध संस्थान' के गठन की घोषणा की थी। 2021 के बजट में इस मकसद पूर्ति के लिए 5 वर्षों में 50 हजार करोड़ रुपये खर्च भी किए जाने हैं। इस परिप्रेक्ष्य में शैक्षणिक संस्थानों के साथ मिलकर शोध के क्षेत्र में तेजी आई हुई है। इसका कारगर परिणाम हाल ही में जारी हुई उच्च शिक्षण संस्थानों की विश्वस्तरीय रैंकिंग में दिखा दी है। अब तक भारत अपनी जीडीपी का मात्र 0.65 प्रतिशत शोध पर खर्च करता रहा है। अतएव एक लाख की आबादी पर महज 26 शोधार्थी ही नए शोध कर पाते हैं, जबकि निम्न आय वाले देशों में यह अनुपात 32 और चीन में 169 एवं अमेरिका में 445 है। धन की कमी से शोध कार्य न केवल लंबे खिंचते हैं, बल्कि कभी-कभी अप्रासंगिक भी हो जाते हैं। इस नाते भारत अनुसंधान के पैमाने पर चीन और अमेरिका से तो पीछे है ही, दक्षिण अफ्रीका से भी पिछड़ा है, दक्षिण अफ्रीका में जीडीपी दर 0.8 प्रतिशत है, जो भारत से अधिक है।

बहरहाल, आर एंड डी पर विश्व का औसत खर्च 1.8 प्रतिशत है, अतएव हम औसत खर्च का आधा भी खर्च नहीं करते हैं। भारत का शोध पर कुल खर्च 17.6 अरब डॉलर है, जबकि अमेरिका का 581 और चीन का 298 अरब डॉलर है। नतीजतन हम नए अनुसंधान, आविष्कार और स्वदेशी उत्पाद में पिछड़े हैं। इसीलिए पेटेंट के क्षेत्र में भारत विकसित देशों की बराबरी करने में पिछड़ गया है। भारत से कम जीडीपी वाले फ्रांस, इटली, ब्रिटेन और ब्राजील भी हमसे कई गुना ज्यादा धन शोध पर खर्च करते हैं। यदि यही सिलसिला जारी रहता तो वैश्विक प्रतिस्पर्धा में भारत भविष्य में कैसे टिक पाता? गोया, शोध के क्षेत्र में धन बढ़ाकर भारत ने न केवल युवाओं के हौसलों को उड़ान भरने का सुनहरा अवसर दिया है, बल्कि आविष्कार के क्षेत्र में आत्मनिर्भर हो जाने का मार्ग भी प्रशस्त कर दिया है।

भारत में उच्च शिक्षा के 40 हजार से ज्यादा संस्थान हैं। इनमें से सिर्फएक प्रतिशत में अनुसंधान होता है। इसीलिए अब तक दुनिया के 100 बेहतरीन संस्थानों में से भारत का एक भी नहीं है। शोध का अवसर नहीं मिलने के चलते ही भारत के युवा अमेरिका, जर्मनी और ब्रिटेन में पीएचडी के लिए चले जाते हैं। इनमें से अधिकतर वापस भी नहीं लौटते। पिछले साल अमेरिका में विज्ञान पढ़ने वाले विदेशी छात्रों में सबसे ज्यादा भारत के ही छात्र थे। भारत में सरकार या सरकारी संस्थाएं ही सबसे ज्यादा शोध का खर्च वहन करती हैं। जबकि अमेरिका में सरकार शोध पर सिर्फ10 प्रतिशत और चीन में सिर्फ16 प्रतिशत खर्च करती हैं। बाकी खर्च निजी क्षेत्र उठाता है। यदि भारत के निजी उच्च शिक्षा संस्थान शोध के क्षेत्र में खर्च की भागीदारी बढ़ा दें तो शोध का स्तर बेहतर हो सकता है। यदि ऐसा होता है तो संभव है कि भारत विज्ञान के क्षेत्र में शिखर पर पहुंच जाए। इसकी एक बड़ी वजह यह भी है कि विज्ञान के क्षेत्र में भारतीयों की रुचि अधिक है। भारत दुनिया का अकेला ऐसा देश हैं, जहां के 31 प्रतिशत विद्यार्थी विज्ञान, गणित और तकनीकी विषयों में सबसे ज्यादा रुचि लेते हैं। इसके बाद इस्त्राइल है जहां के 27 प्रतिशत छात्र और फिर अमेरिका आता है, जहां के 20 प्रतिशत छात्र विज्ञान, गणित और तकनीकी विषयों में रुचि लेते हैं।

हालांकि नवाचारी वैज्ञानिकों को लुभाने की सरकार ने अनेक कोशिशें की हैं। बावजूद देश के लगभग सभी शीर्ष संस्थानों में वैज्ञानिकों की कमी है। वर्तमान में देश के 70 प्रमुख शोध-संस्थानों में 3200 वैज्ञानिकों के पद खाली हैं। बेंगलुरु के वैज्ञानिक एवं औद्योगिक अनुसंधान परिषद (सीएसआईआर) से जुड़े संस्थानों में सबसे ज्यादा 177 पद रिक्त हैं। पुणे की राष्ट्रीय रसायन प्रयोगशाला में 123 वैज्ञानिकों के पद खाली हैं। देश के इन संस्थानों में यह स्थिति तब है, जब सरकार ने पदों को भरने के लिए आकर्षक योजनाएं शुरू की हुई हैं। इनमें रामानुजन शोधवृत्ति, सेतु-योजना, प्रेरणा-योजना और विद्यार्थी-वैज्ञानिक संपर्क योजना शामिल हैं। महिलाओं के लिए भी अलग से योजनाएं लाई गई हैं। इनमें शोध के लिए सुविधाओं का भी प्रावधान है।

इसके साथ ही राज्यों में कार्यरत वैज्ञानिकों को स्वदेश लौटने पर आकर्षक पैकेज देने के प्रस्ताव दिए जा रहे हैं। बावजूद परदेस से वैज्ञानिक लौट नहीं रहे हैं। इसकी पृष्ठभूमि में एक तो वैज्ञानिकों को यह भरोसा पैदा नहीं हो रहा है कि जो प्रस्ताव दिए जा रहे हैं वे निरंतर बने रहेंगे? दूसरे नौकरशाही द्वारा कार्यप्रणाली में अड़ंगों की प्रवृत्ति भी भरोसा पैदा करने में बाधा बन रही है।

यह निजी विचार है।

काठ की हांडी दोबारा चढ़ाने की कोशिश

हरिशंकर व्यास

भारत सरकार ने लोकसभा चुनाव से पहले अपने 10 साल के राज की कामयाबियों के बारे में बताने के साथ साथ उससे 10 साल पहले के कांग्रेस राज की कमियां बताई हैं। सोचें, 10 साल पहले जिन मुद्दों पर भाजपा ने चुनाव लड़ा था, जिन मुद्दों को नरेंद्र मोदी ने अपने प्रचार की थीम में रखा था, जिन मुद्दों को लेकर नारे गढ़े थे और पूरे देश में होर्डिंग्स-पोस्टर लगे थे उन्हीं मुद्दों पर फिर से चुनाव लडने की तैयारी है। सरकार को पता था कि जब वह मनमोहन सिंह की सरकार के 10 साल यानी 2004 से 2014 के राजकाज पर श्वेत पत्र लाएगी तो यह सवाल उठेगा कि अभी इसकी क्या जरुरत है इसलिए श्वेत पत्र में बताया गया है कि 2014 में चुनाव जीतने के बाद श्वेत पत्र इसलिए नहीं लाया गया क्योंकि उससे लोगों का मनोबल टूटता और विदेशी निवेशकों में नकारात्मक मैसेज जाता।सोचें, कितना लचर तर्क है। क्या विदेशी निवेशक सरकारी आंकड़ों पर निर्भर रहते हैं? उनके पास वर्ल्ड बैंक से लेकर आईएमएफ जैसी संस्थाओं के अलावा एसएंडपी, फिच, पीडब्लुसी, मेरिल लिंच जैसी दुनिया की प्रतिष्ठित संस्थाएं हैं, जो रियल टाइम वास्तविक डाटा उपलब्ध कराती हैं और विदेशी निवेशक उसके आधार पर फैसला करते हैंजहां तक लोगों के मनोबल का सवाल है तो इंडिया अगेंस्ट करप्शन यानी अन्ना हजारे और अरविंद केजरीवाल ने मिल कर भ्रष्टाचार का ऐसा हल्ला बनवाया था कि उसके बारे मे जानने के लिए किसी को श्वेत पत्र की जरुरत ही नहीं थी। बाद में भाजपा ने अपने प्रचार से इसे और बड़ा मुद्दा बना दिया। सरकार को पता है कि भाजपा इस मुद्दे को 10 साल पहले भुना चुकी है। इसलिए उस समय श्वेत पत्र लाने का कोई मतलब नहीं था। लोगों को सब कुछ पता था। उलटे थोड़े दिन के बाद इन सबकी हकीकत भी खुल गई, जब संचार घोटाले के आरोपी बरी हो गए, कोयला घोटाले में किसी नेता को सजा नहीं हुई, मनमोहन सिंह पर कोई आंच नहीं आई और महंगाई वैसी ही रही, जैसे पहले थी या उससे बढ़ गई।अब 10 साल बाद श्वेत पत्र लाकर उस समय की यादों को ताजा बनाया जा रहा है। लेकिन यह काठ की हांडी को दोबारा चुल्हे पर चढ़ाने की तरह है, जिसका कोई तर्क अभी समझ में नहीं आता है। जब रामजी आ गए हैं, उनकी प्राण प्रतिष्ठा हो गई है, काशी कॉरिडोर बन गया है, महाकाल लोक का उद्घाटन हो गया है, मां कामख्या और मां विंध्यवासिनी कॉरिडोर बन रहा है, समान नागरिक संहिता लागू होनी शुरू हो गई है, अनुच्छेद 370 हटा दिया गया है, तीन तलाक के खिलाफकानून बन गया है और केंद्रीय मंत्री खम ठोंक कर कह रहे हैं कि नागरिकता संशोधन कानून यानी सीएए चुनाव से पहले लागू होने जा रहा है तो फिर ऐसे श्वेत पत्र का क्या मतलब है, जिसकी बारीकी में जाने पर खुद सरकार की पोल खुलती है?सरकार दावा कर रही है कि मनमोहन सिंह की सरकार के समय महंगाई की दर बहुत ऊंची थी। इसमें कोई संदेह नहीं है कि महंगाई दर ऊंची थी लेकिन उसी अनुपात में जीडीपी की दर भी ऊंची थी। और दूसरा कारण यह था कि 2004 से 2014 के बीच आमतौर पर कच्चे तेल की कीमत बहुत ऊंची थी। एक समय तो अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमत 110 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच गई थी। जो कि नरेंद्र मोदी के प्रधानमंत्री बनने के थोड़े समय के बाद ही गिर कर 40 डॉलर प्रति बैरल तक आ गई थी। तभी मोदी ने खुद को नसीब वाला प्रधानमंत्री बताया था। **यह निजी विचार है।**

ग्रीन आर्मी छत्तीसगढ़ का वर्ष 2024 हेतु शपथ ग्रहण समारोह संपन्न

लोकशक्ति। रायपुर। ग्रीन आर्मी छत्तीसगढ़ की शपथ ग्रहण समारोह 15 फरवरी 2024 को संध्या 6 बजे वृन्दावन हॉल सिविल लाईन रायपुर में सम्पन्न हुआ। जिसमें संस्थापक श्री अमिताभ दुबे जी को ग्रीन आर्मी प्रदेश अध्यक्ष नियुक्त किया गया। इस अवसर पर शपथ अधिकारी के रूप में डॉ श्री कुलदीप दुबे जी ने प्रदेश अध्यक्ष श्री अमिताभ दुबे एवं उनकी विभिन्न जिलों के जिला कमिटीयों एवं जिला प्रभारीयों को शपथ दिलाया गया तत्पश्चात जिला प्रभारीयों को साल श्रीफल, फुलमाला तथा संस्था प्रदेश अध्यक्ष श्री अमिताभ दुबे जी को महानगर अध्यक्ष श्री गुरदीप सिंग टूटेजा जी द्वारा शक्ति के प्रतीक कृपाण भेट प्रदान कर स्वागत किया गया। शपथ ग्रहण के पश्चात प्रदेश अध्यक्ष श्री अमिताभ दुबे ने कहा की 18 जिलों में ग्रीन आर्मी शाखा की गठन हो चूका है अगामी 1 माह के अन्दर छत्तीसगढ़ के समस्त जिलों में ग्रीन आर्मी का गठन जनता के सहयोग से किया जावेगा छत्तीसगढ़ की जनता से पर्यावरण के प्रति संवेदनशिल होकर एक साथ मिलकर सामूहीक तौर पर कार्य करने हेतू अवहान किया है। अपने उदबोधन में आगे उन्होने बताया कि छत्तीसगढ़ के प्रमुख शासकीय अधिकारीयों एवं जनप्रतिनिधियों के साथ मिलकर छत्तीसगढ़ के संपूर्ण पर्यारण संबंधित समस्यों का समाधान योजनाबद्ध तरीके से जनसहयोग से किया जायेगा। इस अवसर पर आईटीएम यनिवर्सिटी के छात्र-छात्राओं को प्रशिक्षण कार्याशाला में सफलतापूर्वक सहभागिता हेतू सम्मान पत्र देकर सम्मानित किया गया। मिडिया प्रभारी श्री शशीकांत यदु एवँ हेमंत ठाकुर द्वारा कार्यक्रम के दौरान उपस्थित लोंगों को संस्था द्वारा किये गये गतिविधियों की जानरकी पीपीटी एवं डीजीटल स्लाईडर के माध्यम से दिया गया। ज्ञात हो संस्था विगत 7 वर्षों से पर्यावरण संरक्षण कें लिये कार्य कर रही है इसी कडी में आज अपने कार्य क्षेत्रों का विस्तार करते हुए छत्तीगढ़ के समस्त जिलों में कार्य करने हेतू नवनिर्वाचित पदाधिारीयों को शपथ दिलवाया गया। इस अवसर पर संस्था महानगर अध्यक्ष श्री गुरदीप टूटेजा एवं समस्त पदाधिकारी मुख्य रूप सें उपस्थित रहे। कार्यक्रम का समापन श्रीमति मोंनिका बागरेचा जी द्वारा उपस्थित लोंगों का आभार व्यक्त कर किया गया।

खास खबर...

57 लाख 19 हजार राशन कार्ड धारियों ने किया नवीनीकरण के लिए ऑनलाइन आवेदन

रायपुर। छत्तीसगढ़ में सार्वजनिक वितरण प्रणाली के अंतर्गत वर्तमान में प्रचलित सभी 77 लाख राशनकार्डों के नवीनीकरण का कार्य 25 जनवरी से जारी है। 14 फरवरी की स्थिति में 57 लाख 19 हजार 495 राशन कार्डधारियों ने नवीनीकरण के लिए आवेदन प्रस्तुत किया है। राशनकार्डों के नवीनीकरण के लिए खाद्य विभाग द्वारा दी गई, ऑनलाइन सुविधा का लोग भरपूर लाभ उठा रहे हैं और स्वयं अपने मोबाइल से खाद्य विभाग के एप के जरिये राशनकार्डों के नवीनीकरण के लिए आवेदन प्रस्तुत कर रहे हैं।

गौरतलब है कि राशनकार्ड नवीनीकरण 25 जनवरी से 15 फरवरी 2024 तक किया जा रहा है। विभाग से प्राप्त जानकारी के अनुसारराशनकार्ड नवीनीकरण के लिए खाद्य विभाग के द्वारा खाद्य नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण विभाग का नया मोबाईल एप्प तैयार किया गया है, इसे प्ले स्टोर में जाकर डाउनलोड किया जा सकता है। हितग्राही द्वारा खाद्य विभाग की वेबसाइट http://khadya.cg.nic.in से डाउनलोड किया जा सकता है। राशनकार्डधारी अपने मोबाईल में इस एप्प के जरिए नवीनीकरण के लिए इलेक्ट्रानिक आवेदन ऑनलाईन प्रस्तुत कर सकते हैं। ऐसे हितग्राही जिनके पास एन्ड्राईड मोबाईल नहीं है अथवा जहां पर मोबाईल कनेक्टिविटी नहीं है वहां उचित मूल्य दुकान स्तर पर ऑनलाईन प्रक्रिया के जरिए राशनकार्डों के नवीनीकरण हेतु इलेक्ट्रानिक आवेदन प्रस्तुत करने की सुविधा भी दी जा रही है।

मेडिकल कॉलेज में मनाई गई बसंत पंचमी

रायपुर। पं. जवाहर लाल नेहरू स्मृति चिकित्सा महाविद्यालय में बसंत पंचमी के दिन सरस्वती पूजा अनुष्ठान का पारंपरिक आयोजन किया गया। महाविद्यालय के व्याख्यान कक्ष-06 में चिकित्सा छात्रों ने कठिन मेहनत से आकर्षक सजावट के साथ इस धार्मिक समारोह की सम्पूर्ण व्यवस्था की। अधिष्ठाता, डॉ. तृप्ति नागरिया और वरिष्ठ प्राध्यापक, डॉ. अरविन्द नेरल ने मां सरस्वती की आकर्षक मूर्ति पर माल्यार्पण किया और अन्य चिकित्सा शिक्षकों के साथ सरस्वती वंदना की। इस अवसर पर अधिष्ठाता, डॉ. तृप्ति नागरिया ने मां सरस्वती के आर्शिवचनों की मंगल कामना करते हुए एक पौराणिक कथा का उल्लेख किया, जिसका सार है कि जीवन में सर्वांगीण विकास के लिए बुद्धि, धन और शक्ति तीनों की समानुपातिक आवश्यकता होती है। डॉ. अरविन्द नेरल ने लर्निंग इज अर्निंग के सिद्धांत को अंगीकृत कर विद्यार्थियों को अपनी बुद्धि और जानकारियों को लगातार तेज धारदार करने का आव्हान किया।इस आयोजन में विद्यार्थियों ने अपने चिकित्सा शिक्षकों के मनोरंजनार्थ अंताक्षरी का आयोजन किया और शिक्षकों के चार वर्गों के बीच आकर्षक प्रतियोगिता कराई। सत्र 2023 के लता देवांगन, आस्था भिटे, विकल्प गुरूंग, वर्षा बघेल, अर्पिता अग्रवाल, आशना अग्रवाल, कुमार साहिल, प्रफुल्ल और शुभांगी लाल ने सरस्वती वंदना की दो अलग-अलग प्रस्तुतियां दी। सृष्टि मौर्य, सुधा राठौड़, तृप्ति राजपूत, मिल्की खुंटे, दीपिका चन्द्राकर, दीक्षा कंवर, भाग्यश्री नायक और श्रीयल सुखदेव ने दो सामूहिक नृत्य प्रस्तुत किये। विश्वंभर पांडेय और माधव चन्द्राकर के काव्यपाठ और प्रीति कुर्रे के सुगम गायन ने मंत्रमुग्ध किया। ये कवितायें और गायन मां सरस्वती और मातृ-पितृ पूजन से संबंधित संवेदनशील रचनाएं थी। कार्यक्रम का प्रभावशाली संचालन सिद्धि डाकलिया, आदर्श शर्मा, और गरिमा सिंह ने किया। सत्र 2022 के कक्षा प्रतिनिध अम्बलेश्वर मरकाम और शिवांगी सिंह ने अपने साथियों ऐश्वर्य, भूपेन्द्र, कुलदीप, तेजेश्वर, प्रिया, सोनाली, युवराज, आयुष, संदेश, देवाशीष, तेजेश, तरूण और स्वपनिल के साथ मिलकर इस सफल और संवेदनशील कार्यक्रम का संयोजन किया।

स्कूलों में 33 हजार से अधिक पदों पर होगी शिक्षकों की भर्ती, कॉलेज व यूनिवर्सिटी में भरे जाएंगे 4200 पद

स्कूल शिक्षा, उच्च शिक्षा, पर्यटन, संस्कृति, धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व, राज्य विधानमंडल के 8879 करोड़ रुपए से अधिक की अनुदान मांगे पारित

रायपुर। मंत्री बृजमोहन अग्रवाल ने विभागीय बजट पर चर्चा का उत्तर देते हुए बड़ी घोषणा की है। उन्होंने कहा है कि के स्कूलों में 33 हजार से अधिक पदों पर शिक्षकों की सीधी भर्ती की जाएगी। इनमें व्याख्याता के 2524 पद, शिक्षक 8194 पद और सहायक शिक्षक के 22 हजार 341 पद शामिल है। उन्होंने कहा कि समग्र शिक्षा के अंतर्गत 1086 नये पदों का सृजन किया जाएगा। इसके अलावा प्रदेश के विश्वविद्यालयों एवं महाविद्यालयों में 4200 से अधिक रिक्त पदों पर शीघ्र भर्ती की प्रक्रिया प्रारंभ की जाएगी। इनमें प्राध्यापक के 595, सहायक प्राध्यापक के 2150, क्रीडा अधिकारी के 130, ग्रंथपाल 130 एवं तृतीय श्रेणी के 350 और चतुर्थ श्रेणी के 930 पद शामिल हैं।

छत्तीसगढ़ विधानसभा में बुधवार को स्कूल शिक्षा, उच्च शिक्षा, पर्यटन, संस्कृति, धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व, संसदीय कार्य मंत्री बृजमोहन अग्रवाल के विभाग के लिए वित्तीय वर्ष 2024-25 हेतु 8879 करोड़ 01 लाख 49 हजार रुपए की अनुदान मांगे सर्वसम्मति से पारित की गई। इसमें स्कूल शिक्षा विभाग के लिए 7387 करोड़ 66 लाख 32 हजार रुपए, उच्च शिक्षा के लिए 1049 करोड़ 08 लाख 90 हजार रुपए, पर्यटन के लिए 218 करोड़ 04 लाख 40 हजार रुपए, संस्कृति विभाग के लिए 90 करोड़ 50 लाख 39 हजार रुपए, धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व के लिए 49 करोड़ 20 लाख रुपए और राज्य विधानमंडल के लिए 84 करोड़ 51 लाख 18 हजार रुपए की राशि शामिल हैं।

स्कूलों के लिए बजट में एक करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया है। स्कूलों के रखरखाव और अधोसंरचना विकास के लिए बजट में 265 करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया है। इसमें 57 हाईस्कूल और 39 हायर सेकण्डरी स्कूलों के लिए नवीन भवन निर्माण का प्रावधान है। मंत्री बृजमोहन अग्रवाल ने कहा कि पंडित दीनदयाल उपाध्याय सेंट्रल लाइब्रेरी शंकर रायपुर को अपग्रेड करते हुए 18 नवीन पदों के सृजन हेतु बजट में एक करोड़ रुपए का प्रावधान रखा गया है। उन्होंने के कहा कि प्रदेश के आदिवासी बाहुल्य क्षेत्र सूरजपुर एवं गरियाबंद जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान की स्थापना के साथ ही जिला कोण्डागांव, सुकमा एवं बलरामपुर के विकासखण्ड कुसमी के बाइट को उन्नत करते हुए जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान बनाए जाने का प्रावधान है। इस हेतु प्रति संस्था 41 पदों की स्वीकृति प्रदान करते हुए बजट में तीन करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया है।

स्कूल शिक्षा विभाग में अच्छे काम-काज और प्रशासनिक नियंत्रण के लिए हमारी सरकार ने त्वरित निर्णय लेते हुए नवा रायपुर में प्रशासनिक कम्पोजिट बिल्डिंग प्रारंभ करने के लिए एक करोड़ रुपए का प्रावधान किया है। इस भवन में लोक शिक्षण संचालनालय, समग्र शिक्षा, संस्कृत विद्यामण्डलम्, मदरसा बोर्ड, शिक्षा आयोग, पाठ्यपुस्तक निगम और माध्यमिक शिक्षा मण्डल आदि के कार्यालय संचालित होंगे। उन्होंने कहा कि प्रदेश में संचालित स्वामी आत्मानंद शासकीय विद्यालयों का संचालन शिक्षा विभाग द्वारा किया जाएगा। प्रदेश के 25 हजार स्कूलों में पहली से लेकर 12वीं तक एक सेक्शन इंग्लिश मीडियम स्थापित किया जाएगा।

प्रदेश के स्कूलों में स्मार्ट क्लास के तहत इंटरनेट प्रोजेक्टर की सहायता से शिक्षा प्रदान किया जाएगा। स्कूलों में बच्चों की उपस्थिति, शिक्षकों द्वारा अध्ययन, अध्यापन, शैक्षणिक मूल्यांकन की नियमित एवं त्वरित मॉनिटरिंग के लिए केन्द्रीयकृत विद्या समीक्षा केन्द्र स्थापित किया जाएगा। उन्होंने यह भी घोषणा किया कि सरस्वती सायकल योजना के तहत अब 9वीं कक्षा के सभी छात्राओं को नि:शुल्क सायकल दी जाएगी। मंत्री बृजमोहन अग्रवाल छात्रवृत्ति योजना के तहत अनुसूचित जाति वर्ग को मिलने वाली छात्रवृत्ति संत शिरोमणि गुरू घासीदास, अनुसूचित जनजाति वर्ग की छात्रवृत्ति को वीर गुण्डाधुर के नाम पर किए जाने की घोषणा की।

मंत्री बृजमोहन अग्रवाल ने उच्च शिक्षा विभाग की अनुदान मांगों पर चर्चा का उत्तर देते हुए कहा कि राज्य के 15 शासकीय महाविद्यालयों में नवीन स्नातक विषय संकाय एवं 23 शासकीय महाविद्यालयों में नवीन स्नातकोत्तर संकाय प्रारंभ करने के लिए बजट में 5 करोड़ 80 लाख रुपए का प्रावधान किया गया है। प्रदेश के 12 महाविद्यालयों के भवन निर्माण के लिए 12 करोड़ एवं 9 महाविद्यालयों में अतिरिक्त कक्ष निर्माण के लिए 4 करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया है। उन्होंने बताया कि शासकीय महाविद्यालय दुर्गकोंदल जिला-कांकेर एवं भोपालपट्नम् जिला बीजापुर में छात्रावास भवन निर्माण हेतु 2 करोड़ रुपए और 50 शासकीय महाविद्यालयों में शौचालय निर्माण के लिए 3 करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया है।

कॉलेज स्टूडेंट्स को मिलेंगे 6000 सालाना

मंत्री अग्रवाल ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की गारंटी के तहत प्रदेश के विद्यार्थियों को कॉलेज आने-जाने के लिए मासिक ट्रैवल्स अलाउंस देने की सुविधा शीघ्र प्रारंभ की जाएगी। जिसके तहत प्रदेश के तीन लाख विद्यार्थियों को 6000 रुपए प्रतिवर्ष डीबीटी से सीधे उनके खाते में भुगतान की जाएगी। प्रदेश के विद्यार्थियों को नियमित अध्ययन के साथ-साथ विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं एवं राष्ट्रीय पात्रता परीक्षा जैसै- यूपीएससी, पीएससी, सहायक प्राध्यापक भर्ती परीक्षा की कोचिंग के लिए भी व्यवस्था की जाएगी। मंत्री बृजमोहन अग्रवाल ने प्रदेश के विश्वविद्यालयों के वार्षिक अनुदान राशि में वृद्धि की गई है। जिसके तहत शहीद महेन्द्र कर्मा विश्वविद्यालय बस्तर के लिए 450 करोड़ रुपए से बढ़ाकर 10 करोड़, पंडित रविशंकर शुक्ल विश्वविद्यालय रायपुर के लिए 39 करोड़ रुपए से बढ़ाकर 44 करोड़, अटल बिहारी वाजपेयी विश्वविद्यालय बिलासपुर के लिए 2 करोड़ 27 लाख से बढ़ाकर 10 करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया है।

डे-भवन को बनेगा स्वामी विवेकानंद स्मारक

मंत्री बृजमोहन अग्रवाल ने बताया कि स्वामी विवेकानंद के रायपुर में व्यतीत जीवन काल को चिरस्मरणीय बनाने उनके निवास स्थान वर्तमान डे-भवन को स्वामी विवेकानंद स्मारक के रूप में विकसित किया जाएगा। इसके लिए बजट में 4 करोड़ 80 लाख रुपए का प्रावधान किया गया है। नवा रायपुर स्थित पुरखौती मुक्तांगन परिसर में प्रदेश का राजकीय मानव संग्रहालय की स्थापना के लिए 8 करोड़ 64 लाख रुपए का प्रावधान रखा गया है। उन्होंने कहा कि प्रदेश के 28 जिला मुख्यालयों एवं मुख्य पर्यटन स्थलों में गढ़कलेवा का विस्तार कर छत्तीसगढ़ के पारंपरिक खान-पान व्यंजनों को राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाई जाएगी। इसके लिए बजट में 2 करोड़ 12 लाख रुपए का प्रावधान किया गया है। इसके साथ ही प्रदेश में कलाकार कल्याण कोषण योजना के तहत राज्य के ख्याति प्राप्त किन्तु अर्थाभावग्रस्त साहित्यकारों एवं कलाकारों और उनके परिजनों के लंबी तथा गंभीर बीमारी, दुर्घटना अथवा दैवीय विपत्ती के स्थिति में दी जाने वाली आर्थिक सहायता को 25 हजार रुपए से बढ़ाकर 50 हजार रुपए कर दी गई है, वहीं निधन होने पर 25 हजार की आर्थिक सहायता को बढ़ाकर 1 लाख रुपए किया गया है। कलाकारों के मासिक पेंशन को 2000 रुपए से बढ़ाकर 5000 रुपए प्रतिमाह कर दिया गया है। गोड़ी भाषा के संरक्षण एवं संवर्धन के लिए 2 करोड़ 50 लाख रुपए का प्रावधान किया गया है।

प्रधानमंत्री श्री रामलला गाथा केन्द्र का निर्माण

मंत्री बृजमोहन अग्रवाल ने पर्यटन विभाग की अनुदान मांगों पर चर्चा का उत्तर देते हुए कहा कि प्रदेशवासियों को श्री रामलला दर्शन योजना के तहत अयोध्या धाम की नि:शुल्क यात्रा करायी जाएगी। इसके लिए बजट में प्रावधान किया गया है। उन्होंने छत्तीसगढ़ में प्रभु श्रीराम की गाथा को प्रदर्शित करते हुए 'प्रधानमंत्री श्री रामलला गाथा केन्द्र का निर्माण किया जाएगा। अयोध्या धाम में राज्य के श्रद्धालुओं के लिए छत्तीसगढ़ माता कौशल्या धाम भवन का निर्माण कराया जाएगा। इसी प्रकार तिरूपति, जगन्नाथ पुरी में भी छत्तीसगढ़ धाम बनाया जाएगा। राजिम पंचकोशी परिक्रमा परिपथ विकास हेतु 100 करोड़ रूपए का प्रावधान किया गया है। मंत्री श्री अग्रवाल ने बताया कि गिरौदपुरी धाम में छाता पहाड़ को तीर्थ स्थल के रूप में विकसित किया जाएगा। इसी प्रकार गुरू बालक दास शहादत स्थल बांधा मुंगेली का पर्यटन विकास किया जाएगा। उन्होंने कहा कि मैनपाट को छत्तीसगढ़ के शिमला के नाम से जाना जाता है और इसे शिमला-मनाली के मालरोड के तर्ज पर हिल स्टेशन के रूप में विकसित किया जाएगा।

पांच शक्तिपीठों का चारधाम की तर्ज पर होगा विकास

छत्तीसगढ़ में पांच शक्तिपीठों- कुदरगढ़ जिला सूरजपुर, चंद्रहासिनी चन्द्रपुर जिला-सक्ती, महामाया रतनपुर जिला-बिलासपुर, दंतेश्वरी जिला दंतेवाड़ा और बम्लेशवरी डोंगरगढ़ जिला राजनांदगांव को चारधाम की तर्ज पर विकसित करने के लिए योजना तैयार की जा रही है। इस योजना पर लगभग 112 करोड़ 16 लाख रुपए की लागत संभावित है। इस वर्ष बजट में 5 करोड़ रुपए का प्रावधान किया गया है। मंत्री बृजमोहन अग्रवाल ने धार्मिक न्यास एवं धर्मस्व के विभाग के अनुदान मांगों के संबंध में बस्तर के मांझी एवं चालकियों के सम्मान निधि राशि क्रमश: 2000 रुपए से बढ़ाकर 2500 रुपए एवं 1500 रुपए से बढ़ाकर 2000 रुपए करने की घोषणा की। इसी प्रकार बस्तर के कार्यकारिणी मेम्बरीनों के मानदेय भी प्रतिमाह 1100 से बढ़ाकर 1500 रुपए किया जाएगा। मेम्बरीनों के 50 साधारण सदस्यों को 1500 से बढ़ाकर 2000 रूपए वाषिक मानदेय दिया जाएगा। बस्तर दशहरा के 80 परगनों में 80 चालकी मेम्बर, काछनदेवी, रैलादेवी गुरूमाय 10 सदस्य कोटीपुजारी के 6 सदस्य, मुण्डाबाज वादक के 30 सदस्य रथ संचालन संवाहक 7 सदस्य के लिए 1500 रुपए वार्षिक सम्मान निधि की स्वीकृति प्रदान की गई है। छत्तीसगढ़ के मूल निवासियों को कैलाश मानसरोवर की यात्रा हेतु प्रति यात्री 50 हजार रुपए आर्थिक सहायता अनुदान राशि को बढ़ाकर 1 लाख रुपए दिया जाएगा। इसी प्रकार सिन्धु दर्शन तीर्थयात्रा के लिए वास्तविक व्यय का 50 प्रतिशत तक आर्थिक सहायता अनुदान दिया जाएगा।

पद्मश्री प्राप्त कलाकारों को प्रतिमाह 25 हजार रुपए पेंशन

मंत्री बृजमोहन अग्रवाल ने संस्कृति विभाग से संबंधित अनुदान मांगों पर चर्चा में पद्मश्री प्राप्त कलाकारों को प्रतिमाह 25 हजार रुपए पेंशन दिए जाने की घोषणा की। उन्होंने बताया कि 'प्रधानमंत्री अंतर्राष्ट्रीय लोककला महोत्सव के नाम से राज्य के तीन स्थानों- रायपुर, सिरपुर, चक्रधर महाराज की भूमि रायगढ़ में भव्य महोत्सव का आयोजन करेंगे। इस आयोजन में राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय कलाकरों को आमंत्रित कर छत्तीसगढ़ की पहचान पूरे देश में एक सांस्कृतिक रूप से बनेगी। उन्होंने कहा कि राजिम कुंभ कल्प मेला को भव्य रूप प्रदान करने बजट में 37 करोड़ रुपए, सिरपुर का सांस्कृति विकास के लिए 1 करोड़ 28 लाख रुपए का प्रावधान किया गया है।

मुख्यमंत्री की पहल पर कर रहे अयोध्या दर्शन, रामलला का दर्शन हमारा सौभाग्य

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने राजधानी रायपुर के रेल्वे स्टेशन से अयोध्या स्पेशल ट्रेन को हरी झंडी दिखा कर रवाना किया। इस आस्था ट्रेन से छतीसगढ़ के लगभग 1344 राम भक्त अयोध्या में राम लला के दर्शन के लिए रवाना हुए। श्रद्धालु दर्शन करने के लिए बहुत उत्साहित नजर आए महासमुंद जिले के गांव मालीडीह निवासी 60 वर्षीय पूनी राम पटेल ने बताया कि बहुत पहले वे एक बार अयोध्या धाम गए थे उस समय रामलला के दर्शन नहीं हो पाए थे। इस बार प्रभु श्री राम के अयोध्या धाम में प्राण प्रतिष्ठा होने के बाद पहली बार दर्शन करने का मौका मिला है। मन में रामलला के दर्शन करने के एक अलग खुशी महसूस हो रही है।

मालीडीह निवासी 50 वर्षीय हरिशंकर पटेल ने बताया की वे पहली बार अयोध्या प्रभु श्री राम के दर्शन करने जा रहे हैं। जिला प्रशासन महासमुंद द्वारा श्रद्धालुओं को रायपुर रेलवे स्टेशन तक पहुंचाने के लिए बस की व्यवस्था की गई थी। हमें किसी भी प्रकार की कोई समस्या नहीं हुई है। पूनीराम पटेल और हरिशंकर पटेल मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के प्रति आभार जताया है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री की पहल से हमें प्रभु श्री राम के दर्शन करने का सौभाग्य मिला है। महासमुंद जिले के ग्राम खैरजीटी निवासी 62 वर्षीय विष्णु सिन्हा भी प्रभु श्री राम के दर्शन करने के लिए आनंदित है। गांव जलक्षत्री निवासी 56 वर्षीय लखनलाल ने खुशी-खुशी बताया कि वे पहली बार अयोध्या प्रभु श्री राम के दर्शन करने जा रहे हैं। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री विष्णु देव साय को धन्यवाद दिया।

छत्तीसगढ़ शासन द्वारा श्रद्धालुओं के लिए अच्छी व्यवस्था, साफ सुथरा ट्रेन, नाश्ता भोजन की भी उत्तम व्यस्था की गई है। मुख्यमंत्री जी को धन्यवाद देते हुए कहा कि प्रभु श्री राम का बुलावा आया है। मन में ऐसा ऐहसास हो रहा है। पूनीराम पटेल ने बताया कि बहुत दिनों के बाद अयोध्या में प्रभु श्री राम का मंदिर बना है। मन में जिज्ञासा बनी हुई है। मंदिर कैसा बना हुआ है। ग्राम चिरको पंचायत की 50 वर्षीय गोदावरी साहू ने बताया कि मुख्यमंत्री के आशीर्वाद से प्रभु श्री राम के दर्शन करने का मौका मिलेगा श्रद्धालुओं ने प्रशंसा व्यक्त करते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ शासन हमारी संस्कृति, गौरव को आगे बढ़ाने का काम कर रही है। हमारे आने वाले पीढ़ी के लिए बहुत अच्छा अवसर है। बच्चों को हमारी संस्कृति, संस्कार को समझने का अवसर मिल रहा है।

लोकशक्ति
www.lokshakti.in

गुप्त चुनावी इलेक्टोरल बांड मोदी सरकार की कालाधन सफेद करो योजना थी - सिसोदिया

प्रधानमंत्री के इस्तीफे की मांग को लेकर जिला कांग्रेस का धरना प्रदर्शन

जांजगीर-चाम्पा । 2017 में केन्द्र की मोदी सरकार द्वारा गुप्त चुनावी चंदे को पारदर्शी बनाने के नाम पर वित्त विधेयक के रूप में पेश कर की गयी चुनावी बांड योजना को सुप्रीम कोर्ट के 5 सदस्यीय संवैधानिक बेंच द्वारा एकमत से असंवैधानिक घोषित करते हुए राजनैतिक पार्टीयों को दी जाने वाली चंदे की पूरी जानकारी देश की जनता को देने के निर्णय के समर्थन एवं चुनावी बांड के रूप में राजनैतिक पार्टीयों को मिलने वाली रकम में से 95 प्रतिशत राशि प्राप्त करने वाली भाजपा के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के इस्तीफे की मांग को लेकर जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष विधायक राघवेन्द्र कुमार सिंह के मार्ग निर्देशन एवं जिला कांग्रेस उपाध्यक्ष विवेक सिंह सिसोदिया के संयोजकत्व में जिले के प्रमुख नेताओं की उपस्थिति में धरना प्रदर्शन आयोजित किया गया । धरना प्रदर्शन के दौरान उपस्थित कांग्रेसजनों ने केन्द्र की भाजपा सरकार की अपारदर्शी, अलोकतांत्रिक और हानिकारक प्रकृति की स्पष्ट रूप से निंदा करते हुए चुनावी बांड को मोदी सरकार का कालाधन सफेद करो योजना बताते हुए प्रधानमंत्री से इस्तीफे की मांग की । सभा को संबोधित करते हुए पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष दिनेश शर्मा ने कहा कि मोदी सरकार की सभी योजनाओं की तरह चुनाव बांड योजना भी हमेशा सत्तारूढ़ शासन को एकमात्र लाभ पहुंचाने के लिए डिजाइन की गयी थी जिसके माध्यम से भाजपा सभी राजनैतिक दान का 95 प्रतिशत हासिल किया । अब प्रश्न उनसे पूछा जाना चाहिए क्या वे इस फैसले से बचने के लिए इसका अनुपालन करेंगे या अन्य कोई अध्यादेश लायेंगे ? उपाध्यक्ष विवेक सिसोदिया ने कहा कि चुनावी बांड योजना कुछ और नहीं, बल्कि भाजपा द्वारा अपना खजाना भरने के लिए बनायी गयी एक कालाधन सफेद करो योजना थी । अनुसूचित जाति आयोग सदस्य रमेश पैगवार ने कहा कि यह योजना असंवैधानिक है ऐसा उपाय जो मतदाताओं से यह छुपाता है कि राजनैतिक दलों को कैसे मालामाल बनाता है लोकतंत्र में उचित नहीं ठहराया जा सकता । प्रवक्ता नागेन्द्र गुप्ता ने कहा कि सरकार का दावा कि कालेधन पर अंकुश लगाया बिलकुल बेबुनियाद एवं निराधार था, दरअसल आर टी आई के प्रावधानों के बिना इस योजना को लागू करके वे कालेधन को सफेद करने को बढ़ावा दे रही थी । कार्यक्रम को नगरपालिका अध्यक्ष भगवानदास गढ़ेवाल, महामंत्री शिशिर द्विवेदी, राइसकिंग खूंटे, जिला पिछड़ा वर्ग कांग्रेस अध्यक्ष लोकेश राठौर, जिला सेवादल संयोजक देवकुमार पाण्डेय, कार्यकारी ब्लाक अध्यक्ष सुनील साधवानी, उपकार सिंह ढिल्लो, सभापति रामबिलास राठौर, महिला नेत्री रेखा लदेर ने भी संबोधित किया । आभार प्रदर्शन उपाध्यक्ष रफीक सिद्दिकी ने किया । इस दौरान प्रमुख रूप से नगरकांग्रेस अध्यक्ष संतोष पप्पू शर्मा, इंका नेता कमलेश सिंह बाबा, महामंत्री अजीत सिंह राणा, रफीक खान, चिंताराम कश्यप, गोविंद कश्यप, बसंत अग्रवाल, श्रीमती कविता, संजय सिंह, पूर्व पार्षद रामकुमार यादव, गौतम सिंह राठौर, प्रमोद सिंह, राजा सिद्दिकी, अतीक कुरैशी, पवन कश्यप, राकेश कहरा, रामखिलावन राठौर, जितेन्द्र दिनकर, गुड्डू पठान, नरसिम्हा यादव, प्रदीप यादव सहित अन्य कांग्रेसजन उपस्थित थे ।

अभिभावक बच्चों से पूछे ''आज क्या सीखा?'' और घर में बनाएं पढ़ाई का कोना - कलेक्टर

कलेक्टर श्री आकाश छिकारा ने जिला प्रशासन और यूनिसेफके संयुक्त अभियान ''आज क्या सीखा?'' और पढ़ाई का कोना का किया कार्यक्रम का शुभारंभ

जीवन में आगे बढ़ने के लिए लक्ष्य बनाना जरूरी

जांजगीर-चांपा संवाददाता।

कलेक्टर श्री आकाश छिकारा ने स्वामी आत्मानंद उत्कृष्ट अंग्रेजी माध्यम विद्यालय जांजगीर में अभिनव पहल ÷आज क्या सीखा÷ कार्यक्रम कों संबोधित करते हुए विद्यार्थियों एवं अभिभावकों से कहा कि हमें प्रतिदिन ''आज क्या सीखा?'' की चर्चा बच्चों से करनी है और घर में एक कोना पढ़ाई के लिए सुव्यवस्थित तरीके से बनाकर रखना है। जिसमें बच्चे अच्छे वातावरण में पढ़ाई कर सके। उक्त कार्यक्रम जिला प्रशासन एवं यूनिसेफ के संयुक्त तत्वाधान में आरंभ किया गया है।

कलेक्टर ने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि परीक्षा की तैयारी करते समय में मानसिक रूप से तैयार रहना जरूरी है। बार-बार विषय की तैयारी करने से हमारा डर दूर हो जाता है। उन्होंने कहा कि हम जो भी कार्य करें चाहे वह पढ़ाई हो, खेल हो उसका लक्ष्य बनाकर शतप्रतिशत देने से वह प्राप्त जरूर होता है। उन्होंने अभिभवकों से चर्चा करते हुए कहा कि बच्चों को आगे बढ़ाने के लिए स्कूल के साथ ही घर में भी पढ़ाई का माहौल तैयार करना जरूरी है। इसके लिए जरूरी है कि बच्चों से प्रतिदिन स्कूल में ''आज क्या सीखा ?'' को लेकर चर्चा की जाए। इससे बच्चों में पढ़ाई को लेकर उत्साह बना रहेगा और वह बेहतर पढ़ाई करते हुए आगे बढ़ सकेंगे। उन्होंने कहा कि जहां एक ओर ''आज क्या सीखा ?'' तो वहीं दूसरी ओर घर में पढ़ाई के लिए एक कोना भी बच्चों के लिए तैयार करें। उन्होंने इस दौरान परीक्षा पर चर्चा को लेकर भी विद्यार्थियों से चर्चा की। इस दौरान यूनिसेफ जिला समन्वयक सुश्री दिव्या राजपूत, प्राचार्या सहित शिक्षक एवं विद्यार्थी मौजूद रहें।

''आज क्या सीखा ?'' से बच्चों के साथ माता-पिता की पढ़ाई में बढ़ेगी भागीदारी - ''आज क्या सीखा ?'' कार्यक्रम के माध्यम से बच्चों की शिक्षा में माता-पिता की भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए एक अभिनव कार्यक्रम छत्तीसगढ़ के जांजगीर चांपा जिले में शुरू किया गया है। कार्यक्रम के तहत माता-पिता को बच्चों से प्रतिदिन यह पूछने के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा कि उन्होंने क्या सीखा (आज क्या सीखा), और उस दिन, माता-पिता अपने घर पर एक लर्निंग कॉर्नर (सीखने का कोना) स्थापित करेंगे। यूनिसेफ द्वारा समर्थित, नए कार्यक्रम को युवोदय के हजारों युवा स्वयं सेवकों द्वारा मजबूत किया जाएगा।

स्कूली बच्चों का बढ़ाया उत्साह -

आत्मानंद स्कूल में कलेक्टर ने स्कूली बच्चों से मुलाकात की और उनसे चर्चा भी की। बच्चों ने बताया कि वे बढ़े होकर क्या बनना चाहते है। इस दौरान क्लास 1 में बच्चों से उन्होंने डिजीटल बोर्ड पर जोड़ घटाना गुणा भाग के प्रश्न पूंछे तो बच्चों ने बड़े ही उत्साह के साथ हाथ उठाकर प्रश्नों के जवाब दिये। बच्चों के बेवाकी से दिये गये उत्तर से खुश होकर कलेक्टर ने चॉकलेट भी वितरित की।

भृत्य के पद पर अनुकंपा नियुक्ति हेतु दावा आपत्ति आमंत्रित

जांजगीर-चांपा / कार्यालय जिला शिक्षा अधिकारी जांजगीर में वर्तमान दिवंगत शासकीय सेवक के आश्रित सदस्य, आवेदक को भृत्य के पदों पर अनुकम्पा नियुक्ति प्रदान की जानी है। अनुकंपा नियुक्ति से संबंधित दावा आपत्ति 20 फरवरी 2024 तक कार्यालय जिला शिक्षा अधिकारी जांजगीर में आमंत्रित किया गया है।

जिला शिक्षा अधिकारी ने बताया कि स्व.श्री जय सिंह जगत, शिक्षक (एल.बी.), शा.पू.मा.वि.सिल्ली के पत्नी श्रीमती फुलेश्वरी जगत, स्व.श्री टीकाराम कैवर्त्य, प्रधान पाठक, शा.पू.मा.वि. कनस्दा के पुत्र श्री तुलेश कुमार एवं स्व.श्री दुर्गा प्रसाद यादव, सहायक शिक्षक (एल.बी.), शा.प्रा.शा. धनगांव के पत्नी श्रीमती मालती यादव की अनुकंपा नियुक्ति किया जाना है। अनुकम्पा नियुक्ति के संबंध में किसी को आपत्ति हो तो 20 फरवरी 2024 तक दावा आपत्ति प्रस्तुत कर सकते हैं। उक्त तिथि के बाद दावा आपत्ति पर कोई विचार नही किया जाएगा।

जन समस्या निवारण शिविर का आयोजन 17 फरवरी को

जांजगीर-चांपा सचिव छत्तीसगढ़ शासन राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग मंत्रालय के निर्देशानुसार 17 फरवरी को जिला मुख्यालय जांजगीर-चांपा स्थित ऑडिटोरियम में कार्यालयीन समय में राजस्व विभाग से संबंधित जनसमस्या निवारण शिविर का आयोजन किया गया है। कलेक्टर श्री आकाश छिकारा ने जन समस्या निवारण शिविर का अधिक से अधिक उपस्थित होकर लाभ उठाने कहा है।

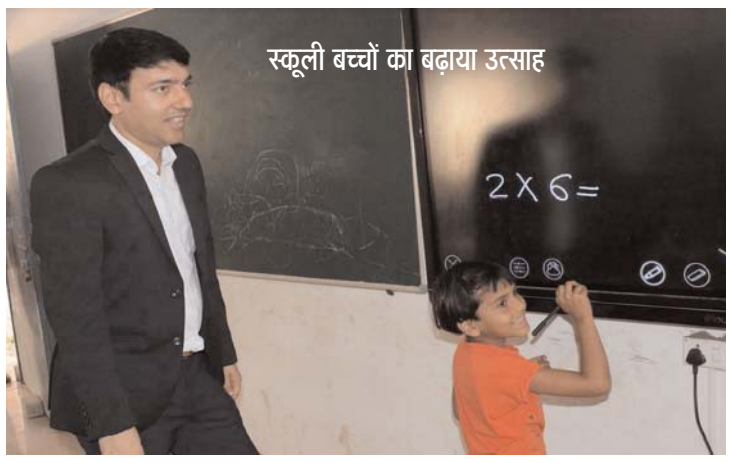

पनोरा गांव के ग्रामीणों को मिली पट्टे की जमीन तो नहीं रहा खुशी का ठिकाना

शासन की वन अधिकार पट्टा योजना से 56 हितग्राहियों को मिला लाभ

शासन की विभिन्न विभागीय योजनाओं का मिलने लगा लाभ

जांजगीर-चांपा

जब अपनी जमीन और आसमान अपना न हो तो मुश्किलें बढ़ जाती हैं, लेकिन अगर अपना ठिकाना मिल जाए तो फिर जीवन में सब कुछ मिल गया ऐसा लगता है। ऐसा ही कुछ बलौदा विकासखण्ड के पनोरा ग्राम पंचायत में रहने वाले ग्रामीणों के साथ हुआ, जिनके पास अपनी जमीन तक नहीं थी उन्हें शासन की महत्वाकांक्षी वन अधिकार पट्टा योजना के माध्यम से जमीन दी गई, आज इस जमीन के पट्टे को पाकर यहां के 56 ग्रामीण बेहद खुश हैं और अब उन्हें शासन की अन्य योजनाओं का लाभ मिलने लगा और वे बेहद खुशहाली के साथ अपनी जिंदगी बसर करने लगे।

बलौदा विकासखंड के ग्राम पंचायत पनोरा में रहने वाली वन अधिकार पटटा हितग्राही श्रीमती बचन बाई पति भुवनलाल का कहना है कि ÷पहले उनका परिवार वन की भूमि पर पीढ़ियों से काबिज थे और खेती-किसानी करते आ रहे थे लेकिन जिस काबिज जमीन पर थे उसका नाम किसी प्रकार से किसी दस्तावेज में नहीं था और न ही कोई प्रमाण था जिसके कारण उस जमीन का उपयोग उसके मुताबिक नहीं कर पा रहे थे, लगातार यही सोचते थे कि कहीं वे वन भूमि से वंचित न हो जाए, साथ ही उचित आय भी नहीं हो रही थी, बस मजदूरी का काम करके परिवार का पालन पोषण करते आ रहे थे। वे बताती हैं कि जब वन अधिकार मान्यता कानून आया तो उन्हें वर्ष 2023 में 0.960 हेक्टेयर भूमि जिस पर वह काबिज थी उन्हें उस भूमि पर अधिकार दिया गया और उनका पट्टा जारी किया गया। जिसके बाद अब उनका परिवार इस जमीन पर धान, सब्जी, तिलहन, दाल लगा रहे हैं, जिससे उनके परिवार की आय अब ज्यादा होने लगी है। इसी तरह इस गांव में ही रहने वाले हीरा सिंह, पिता इंदल सिंह को 0.182 हे0 क्षेत्रफल की काबिज वन भूमि का अधिकार दिया गया है। वह बताते कि पटटा मिलने के पश्चात उनके जीवन यापन के साथ रहने का अधिकार प्राप्त हो गया। जमीन क्या मिली मानो उनके परिवार को खुशियों का खजाना मिल गया, जिस जमीन पर उनके पुरखों ने काम किया आज वह उनके नाम हुई, इस वजह पूरा परिवार अब खुशहाल जीवन व्यापन कर करने लगा। सहायक आयुक्त आदिवासी विकास विभाग के माध्यम से वन अधिकार पट्टाधारियों का आजीविका संवर्धन के लिए वर्ष 2023 में 56 हितग्राहियों को पट्टा का वितरण किया गया है। पट्टा मिलने के बाद से धान बेचने, के.सी.सी. लोन, प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि, प्रधान मंत्री अवास योजना, पशुपालन, कुक्कुट पालन, मनरेगा अंतर्गत मेढ़ बंधान निर्माण, भूमि समतलीकरण एवं अन्य योजनाओं का लाभ मिलने लगा है।

महिलाओं को आजीविकामूलक गतिविधियों से जोड़े - कलेक्टर

जनपद पंचायत अकलतरा के ग्राम पंचायत तिलई में आजीविका ऋण मेला का हुआ आयोजन

आजीविका ऋण मेला में 384 हितग्राहियों को 934.40 लाख रुपए की ऋण राशि स्वीकृत

कलेक्टर ने मेरी कहानी मेरी जुबानी को सुनकर महिलाओं के कार्यों को सराहा

जांजगीर-चांपा

कलेक्टर श्री आकाश छिकारा ने शुक्रवार को अकलतरा विकासखंड के ग्राम पंचायत तिलई में लगाये गये आजीविका ऋण मेला में शामिल हुए। इस दौरान उन्होंने संबोधित करते हुए कहा कि ग्रामीणों को सक्षम बनाना और स्थानीय स्तर पर रोजगार उपलब्ध कराना योजना का मुख्य उद्देश्य है। इस योजना से लाभ लेकर ग्रामीण अपना व्यवसाय शुरू करते हुए आगे बढ़ेगे। उन्होंने अधिक से अधिक महिलाओं को समूह में जोड़ने और मिलकर कार्य करने कहा। साथ ही महिलाओं को योजना की जानकारी देते हुए आजीविका गतिविधियों से जोड़ने के लिए कहा। कलेक्टर ने मेरी कहानी मेरी जुबानी को सुनकर महिलाओं के कार्यों को सराहा। आजीविका ऋण मेला में 384 हितग्राहियों को 934.40 लाख रुपए एवं एनआरएलएम के तहत 81 हितग्राहियों को 229.50 लाख रुपए की ऋण राशि स्वीकृत की गई।

आजीविका ऋण मेला के माध्यम से स्व सहायता समूहों को क्रेडिट लिंकेज में बढ़ोतरी, बैंक द्वारा प्रायोरिटी सेक्टर में ऋण वितरण क्षेत्र का विस्तार, शासकीय स्व-रोजगार ऋण योजनाओं के प्रति जागरूकता, मुद्रा योजना के क्षेत्र का विस्तार, स्वयं सिद्धा योजना के प्रति जागरूकता एवं विस्तार, नवीन बैंक खाते और आधार पंजीयन करने की सुविधा, ग्रामीणों की वित्तीय साक्षरता एवं साइबर फ्रॉड के रोकथाम के प्रति जागरूकता और अन्य बैंकिंग से संबंधित समस्याओं का निराकरण किया गया। इस अवसर पर स्व सहायता समूह की महिलाओं द्वारा मेरी कहानी मेरी जुबानी के माध्यम से अपने अनुभव को लोगो के बीच साझा किया। उल्लेखनीय है कि आजीविका ऋण मेला के माध्यम से शासन की महती योजनाओं का लाभ एक ही छत के नीचे मिल रहा है। इस अवसर पर जिला पंचायत सीईओ श्री गोकुल कुमार राउटे सहित जनप्रतिनिधि व संबंधित अधिकारी-कर्मचारी एवं नागरिकजन उपस्थित थे।

सरकार ने रखा वार्ता का प्रस्ताव, नक्सलियों ने दी प्रतिक्रिया...

रायपुर एजेंसी।

नक्सलियों का दोहरा चेहरा एक बार फिर सामने आया है। सीपीआई (एम) दण्डकारण्य स्पेशल जोनल कमेटी की ओर से जारी बयान में एक ओर सरकार के बातचीत के प्रस्ताव को बेईमानी करार देते हुए ठुकरा दिया। वहीं दूसरी ओर जनता के हितों का हवाला देते हुए वार्ता के लिए हमेशा तैयार रहने की बात भी कह डाली।

भारत की कम्युनिस्ट पार्टी (माओवादी) की ओर से प्रवक्ता विकल्प की ओर से जारी बयान में कहा कि छत्तीसगढ़ के उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा और केंद्रीय गृहमंत्री ने हाल ही सार्वजनिक तौर पर कहा कि वे माओवादियों के साथ चाहे सीधी या वर्चुअल बातचीत के लिए तैयार है। इस पर कई पत्रकारों, बुद्धिजीवियों ने हमारी प्रतिक्रिया मांगी। दंडकारण्य स्पेशल जोनल कमेटी स्पष्ट करना चाहती है कि बातचीत का प्रस्ताव चाहे उप मुख्यमंत्री द्वारा हो या इसके पहले के मुख्यमंत्रियों द्वारा या फिर देश के गृहमंत्री द्वारा किया गया हो, बेईमानी भरा और जनता को धोखा देने वाला ही रहा।

इसके साथ बयान में राज्य सरकारों के ऑपरेशन कगार का जिक्र करते हुए कहा कि इसके तहत बीएसएफ और आईटीबीपी के 6 हजार बलों को बस्तर संभाग के 'अबूझमाड़ (नारायणपुर जिला) में उतारा गया। इन जवानों के साथ 40 और नए कैंप स्थापित करने वाले हैं। भाजपा के छत्तीसगढ़ राज्य में सत्तारूढ़ होने के डेढ़ माह के भीतर मुठभेड़ों, क्रॉस फायरिंग के नाम पर बस्तर संभाग में 10 आदिवासियों की जघन्य हत्या की गयी। यह प्राकृतिक संपदाओं व संसाधनों की कॉरपोरेट लूट के लिए बस्तर संभाग के आदिवासियों के कत्लेआम के सिवाय और कुछ नहीं है। दंडकारण्य स्पेशल जोनल कमेटी ने लिखित बयान में कहा कि जनता के व्यापक हितों के मद्देनजर हमारी पार्टी वार्ता के लिए हमेशा तैयार है। लेकिन वार्ता के लिए पार्टी के भीतर एवं जनता के साथ जरूरी सलाह-मशविरा, आदान-प्रदान के लिए सरकारें अनुकूल माहौल निर्मित करे। इसके लिए तमाम सशस्त्र बलों को 6 माह के लिए बैरकों तक सीमित किया जाए। नए कैंप स्थापित करना बंद किया जाए, राजनीतिक बंदियों को रिहा किया जाए। सरकार ईमानदार से इन न्यूनतम बातों पर अमल करे, फिर हम सीधी वार्ता या वर्चुअल / मोबाइल वार्ता के लिए आगे आएंगे। बातचीत का विधि-विधान एजेंडा और मुद्दे अलग से तय किए जा सकते हैं।

खास खबर

ट्रेलर ने बाइक सवारों को कुचला एक की मौत, दूसरा गंभीर

रायगढ़ (ए)। तेज रफ्तार ट्रेलर की चपेट में आने से बाइक सवार एक ग्रामीण की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई वहीं एक ग्रामीण को गंभीर अवस्था में मेडिकल कालेज अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मामला पुसौर थाना क्षेत्र का है।

इस संबंध में मिली जानकारी के अनुसार जूटमिल थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले ग्राम सहदेवपाली निवासी भोलाराम निषाद 48 साल अपने साथ पिताम्बर निषाद 58 साल के साथ एक निजी कार्य के सिलसिले में ग्राम सपोस जा रहा था। बाईक सवार दोनों ग्रामीण जब कठली के पास रौनक ढाबा के पास पहुंचे ही थी कि सक्ती जिला चंद्रपुर की तरफ से आ रहे ट्रेलर क्रमांक सीजी 13 एडब्ल्यू 0263 ने तेज एवं लापरवाही पूर्वक वाहन चलाते हुए बाईक सवार दोनों ग्रामीणों को अपनी चपेट में ले लिया।

इस हृदय विदारक घटना में ट्रेलर की भारी भरकम पहियों के नीचे आ जाने से भोलाराम निषाद की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई वहीं पिताम्बर के सिर के अलावा शरीर के अन्य हिस्सों में गंभीर चोट लगने की वजह से मेडिकल कालेज अस्पताल में भर्ती कराया गया है जहां उसकी हालत चिंता जनक बताई जा रही है।

घटना के बाद से आरोपित वाहन चालक मौके से फरार बताया जा रहा है। इस घटना की जानकारी मिलते ही पुसौर थाने की पुलिस टीम मौके पर पहुंचकर मृतक के शव को अस्पताल भेजते हुए आगे की कार्रवाई में जुट गई है।

फेसबुक के माध्यम से दोस्ती फिर महिला से दुष्कर्म, आरोपी को कोर्ट ने भेजा जेल

रायगढ़ (ए)। कोतरारोड़ पुलिस ने महिला से दुष्कर्म के आरोपित मनोज साहू निवासी ग्राम बार जिला सारंगढ़-बिलाईगढ़ वर्तमान पता हाऊसिंग बोर्ड कालोनी सोरिया रायपुर को कल गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड लेने कोर्ट पेश किया जिसका ज्यूडिशियल रिमांड प्राप्त होने पर आरोपी को जेल दाखिल किया गया है। 12 फरवरी को थाना कोतरारोड़ में आरोपी मनोज साहू के विरुद्ध आवेदन देकर महिला रिपोर्ट दर्ज कराई और बताई कि मनोज साहू से फेसबुक के माध्यम से जान परिचय हुआ था। इसी साल 2 फरवरी को मनोज महिला से मिलने उसके घर आया और स्वयं को अविवाहित होना बताकर शादी का प्रस्ताव रखा जिसके बाद 6 फरवरी को महिला के घर दोपहर में आकर उसके साथ शारीरिक संबंध बनाया और 12 फरवरी को भी रायगढ़ घूमने ले जाने के बहाने शारीरिक संबंध बनाया।

मनोज साहू ने दोनों के फोटो लेकर महिला के नाम से एक फेसबुक आईडी बना कर उसमें फोटो अपलोड कर दिया। महिला को जब मनोज के शादीशुदा होने की जानकारी हुई तो उसे फेसबुक से उसके फोटो हटाने बोली तो मनोज उसे धमकाने लगा और महिला के घर वालों को भी गाली गलौज कर जान से मारने की धमकी दिया। महिला के रिपोर्ट पर थाना कोतरारोड में आरोपित मनोज साहू पर दुष्कर्म का अपराध दर्ज कर त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपित मनोज साहू पिता तुलसी साहू 34 साल निवासी ग्राम बार थाना सरिया जिला सारंगढ़-बिलाईगढ़ हाल मुकाम हाऊसिंग बोर्ड कालोनी सोरिया थाना सेजबहार जिला रायपुर के किरोड़ीमल क्षेत्र में देखे जाने की सूचना पर दबिश देकर हिरासत में लिया गया जिसे कल न्यायिक रिमांड पर पेश कर जेल भेजा गया है।

एसपी दिव्यांग पटेल के मार्गदर्शन पर आरोपित पतासाजी, गिरफ्तारी की कार्यवाही में थाना प्रभारी कोतरारोड़ निरीक्षक राकेश मिश्रा, सहायक उप निरीक्षक कुसुम कैवर्त, प्रधान आरक्षक करुणेश राय तथा आरक्षक चंद्रेश पांडे की अहम भूमिका रही है।

मोबाइल पर एकाउंट अपडेट करने का मैसेज क्लिक किया और हो गया ठगी का शिकार

■ सिविल लाइन्स थाने का मामला शिकायत पर पुलिस ने शुरू की जांच

संवाददाता।

बिलासपुर। बैंक एकाउंट अपडेट करने के लिए मोबाइल पर लिंक आया। इसे टच करते ही कुछ दस्तावेज मांगे गए। इसे सही मानकर युवक जानकारी साझा करता गया और उसके खाते से 2 लाख 16 हजार रुपए कट गए। इसके बाद युवक को होश आया और वह थाने पहुंचा। इस मामले में पुलिस ने धारा 420 के तहत अपराध दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। ऑन लाइन ठगी का यह मामला सिविल लाइन थाना क्षेत्र का है।

व्यापार विहार संजय अपार्टमेंट निवासी संदीप कुमार पिता अर्जुन लाल (46) के मोबाइल पर 9 फरवरी की रात करीब 11.50 बजे एक नंबर के माध्यम से योनो लिंक से खाता अपडेट करने के लिए मैसेज आया। वह घर पर ही था। बैंक का मैसेज समझकर उसने लिंक को टच किया और उसमें मांगे गए जरूरी दस्तावेजों की जानकारी भरता गया। इसी दौरान उसके बैंक खाते से पहली बार में 25 हजार रुपए कट गए। कुछ सेकेंड के भीतर ही कुल 2 लाख 16 हजार 191 रुपए कट गए। मैसेज आया तो पता चला।

योनो लिंक का आया मैसेज

अपनी शिकायत में संदीप कुमार ने बताया कि 09 फरवरी 2024 को मैं अपने घर पर ही था कि रात 11:50 बजे मेरे मोबाईल नंबर 7440445982 पर मो.नं. 9842689882 से खाता अपडेट करने के लिए Yono Link का मैसेज आया था। जरूरी मैसेज मानकर सुदीप कुमार ने लिंक को टच किया। इसके बाद खाते अपडेट संबंधी दस्तावेजों को भरने कहा गया। इसके बाद वह दस्तावेज भरने लगा। कुछ सेकेण्ड में ही मेरे मोबाईल नंबर 7440445982 पर 25,000 रुपये कटने मैसेज आया फिर तुरन्त ही 2,16,191 रुपए कटने दूसरा मैसेज आया।

दो लाख रुपए से ज्यादा की ठगी

फर्जी मैसेज के द्वारा लिंक भेजकर संदीप कुमार के खाता क्रमांक 41850076769 से दो

किश्तों में कुल रकम 2,41,191 रुपए की आनलाईन ठगी की गई। इसके बाद संदीप कुमार ने 10 फरवरी को साइबर सेल में जाकर ऑन लाइन ठगी की शिकायत की और अपना एकाउंट ब्लॉक करवाया। बुधवार को सिविल लाइन थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई। सिविल लाइन्स पुलिस ने शिकायत के बाद इस मामले में धोखाधड़ी का केस दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस द्वारा प्रार्थी को आए मोबाइल मैसेज के आधार पर ठगों का पता लगाने का प्रयास कर रही है।

पुलिस ने की सतर्क रहने की अपील

इस घटना के बाद पुलिस ने एक बार फिर लोगों से अपील की है कि सायबर फ्रॉड करने वाले अलग अलग तरीकों से लोगों को निशाना बना रहे हैं। विशेष कर बैंक से रिलेटेड किसी भी प्रकार का मैसेज आने पर लिंक को क्लिक करने से पहले बैंक में जाकर इसकी जानकारी लेनी चाहिए। अंजान कॉलर या अंजान नंबरों से आए ऐसे किसी भी मैसेज को गंभीरता से नहीं लेना है। बैंक वाले भी इसे लेकर समय समय पर एडवायजरी जारी करते हैं इसके बाद भी लोग ठगी के शिकार हो रहे हैं। पुलिस का कहना है कि सतर्कता से ही साइबर ठगी से बचा जा सकता है।

अपहरण कर फिरौती मांगने वाले चार युवकों को आजीवन कारावास

कोरबा। ढाई वर्ष पहले एक युवक का अपहरण कर जर्जर मकान में बंद रख उसके साथ मारपीट की गई। बाद में युवक के स्वजनों से एक लाख रूपये की फिरौती मांगी गई। मामले में चार आरोपित को पुलिस ने गिरफ्तार न्यायालय में प्रस्तुत किया। न्यायालय ने चारों आरोपितों को आजीवन कारावास सुनाने के साथ ही जुर्माना लगाया है।

ग्राम बेलटिकरी बसाहट दीपका निवासी तेजप्रकाश यादव 22 वर्ष 11 जून 2021 को कुसमुंडा थाना अंतर्गत गेवरा बस्ती में एक परिचित से मिल कर वापस लौट रहा था, तभी रास्ते में गेवरावस्ती निवासी दिवाली दास 24 वर्ष, जगमोहन उर्फ नान्हू श्रीवास 21 वर्ष, करण मिरी 26 वर्ष तथा मेलू बिंझवार 20 वर्ष उसे मिले। चारों ने तेजप्रकाश को अगवा कर मारपीट की और बाइक में बैठाकर गेवरावस्ती पुराना तालाब के पास ले गए, वहां जर्जर व खंडर मकान में आम के पेड़ में बांध कर रात भर रखा।

अंधविश्वास के चलते युवक की पिटाई, प्रधान आरक्षक निलंबित

बिलासपुर (ए)। कोटा के बजारपारा में रहने वाले प्रधान आरक्षक की बाइक को किसी ने आग लगा दी। इसके बाद प्रधान आरक्षक ने बैगा-गुनिया के चक्कर में आकर पड़ोसी की पिटाई कर दी। मकान मालिक और पीड़ित युवक ने घटना की शिकायत एसपी कार्यालय में की है। इस पर प्रधान आरक्षक को निलंबित कर दिया गया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। कोटा के बजारपारा में रहने वाले ऋतुराज मलिक ने बताया कि कुछ दिन पहले कोटा थाने में पदस्थ प्रधान आरक्षक अमर संजय कुजुर की बाइक को किसी ने आग लगा दी थी। मामले की शिकायत पर पुलिस जांच कर रही है। इस बीच मंगलवार को प्रधान आरक्षक अपने किराए के मकान में आया।

उसने पड़ोस में रहने वाले ऋतुराज पर बाइक पर आग लगाने का आरोप लगाते हुए गाली-गलौज की। उसने बताया कि बैगा-गुनिया ने उसे पड़ोसी द्वारा आग लगाने की बात कही है। समझाइश देने पर प्रधान आरक्षक ने युवक से मारपीट की। आसपास के लोगों और मकान मालिक महिला ने बीच-बचाव की कोशिश की तो उसे भी धमकी दी गई। मारपीट से घायल युवक ने घटना की शिकायत कोटा थाने में की। इस पर कोई एक्शन नहीं लिया गया। इसके बाद पीड़ित सीधे एसपी ऑफिस पहुंच गए। यहां पर उन्होंने एएसपी अर्चना से मामले की शिकायत की। शिकायत के आधार पर प्रधान आरक्षक को निलंबित कर दिया गया है। अधिकारियों के निर्देश पर पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

स्टील कारोबारी के घर लाखों की चोरी, ताला तोड़कर मकान में चोरों ने की सेंधमारी, जांच में जुटी पुलिस

संवाददाता।

भिलाई। दुर्ग जिले के कुम्हारी थाना क्षेत्र में स्टील कारोबारी के घर से लाखों की चोरी का मामला सामने आया है। बुधवार को स्टील कारोबारी ने कुम्हारी थाने पहुंचकर इस संबंध में शिकायत दर्ज कराई। दरअसल कारोबारी कुछ काम से बाहर गया हुआ था। वापस लौटकर देखा तो देखा कि उसके घर पर चोरी हुई है। इस मामले में कुम्हारी पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ धारा 380, 457 के तहत अपराध दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

मिली जानकारी के अनुसार LIG-93, राल्स, रायल पार्क, परसदा रोड कुम्हारी निवासी अजय कुमार लोहे की

मुजफ्फरपुर (बिहार) में है मै दिनांक 12/02/2024 को दोपहर 02:00 बजे अपने मकान में ताला लगाकर ग्राम सरोरा गया था। रात होने पर वही रूक गया। 13 फरवरी की रात 9 बजे वापस लौटा तो देखा सामने दरवाजे की कुंडी टूटी थी अंदर जाकर देखा तो कमरे अंदर रखी आलमारी भी खुला हुआ था। जांच करने पर पता चला कि अलमारी के अंदर रखे सोने के जेवर जिसमें सोने का हार 1 तोला सोने का चेन, सोने का कान का झुमका 6 ग्राम, तीन सोने की अंगुठी 6 ग्राम कीमती, सोने की माथ बेंदी 3 ग्राम, सोने की चेन 10 ग्राम से अधिक, चांदी के 02 जोडी पायल, 1,16,000 रुपये एवं नगदी रकम चोरी हो गया।

बस का इंतजार कर रही थी युवती, चलो घर छोड़ दूंगा कहकर युवक ने जंगल में किया रेप

सरगुजा (ए)। अंबिकापुर बस स्टैंड से साथ ले जाकर लालमाटी के जंगल में परिचित युवती से एक युवक ने रेप किया। आरोपी युवक को साढ़े तीन माह बाद पुलिस ने महाराष्ट्र से गिरफ्तार किया है। घटना के बाद वह फरार हो गया था। पुलिस को उसका मोबाइल लोकेशन मिला, इसके बाद गिरफ्तारी की गई।

जानकारी के मुताबिक, लुंड्रा क्षेत्र की 23 वर्षीय युवती की ग्राम करदोनी निवासी प्रताप मरावी (28) से जान-पहचान थी। दोनों में बातचीत होती थी। 21 अक्टूबर 2023 को युवती किसी काम से अंबिकापुर आई थी।

घर छोड़ देने का झांसा देकर साथ ले गया

इसकी जानकारी युवक को मिल गई। शाम को युवती काम पूरा होने के बाद वापस घर जाने के लिए बस स्टैंड पहुंची, तो युवक वहां पहुंचा और उसे घर छोड़ देने का झांसा देकर साथ चलने कहा। युवक के परिचित होने के कारण युवती उसके साथ बाइक पर चली गई। युवक उसे लेकर लालमाटी के जंगल में गया और उसने उसे धमकी दी। मारपीट कर उससे रेप किया और फरार हो गया। पीड़िता की शिकायत पर कोतवाली पुलिस ने आरोपी युवक के खिलाफ धारा 376(2)ढ, 323, 506 के तहत अपराध दर्ज किया था।

मामले की जांच कर रही कोतवाली पुलिस ने आरोपी युवक का मोबाइल लोकेशन निकलवाया। युवक का लोकेशन महाराष्ट्र के वर्धा का मिला। सरगुजा पुलिस टीम वर्धा पहुंची और आरोपी प्रताप मरावी उर्फ मनोहर अगरिया को हिरासत में लेकर उसे अंबिकापुर पहुंची। आरोपी युवक को न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उसे न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया गया है। कार्रवाई में महिला प्रधान आरक्षक वीणा रानी तिर्की, प्रधान आरक्षक भोजराज पासवान, सूरज रॉय की टीम शामिल रही।

कोरबा में कबाड़ियों पर पुलिस की छापेमारी, 1 लाख 80 हजार रुपए का 9 टन अवैध कबाड़ जब्त

कोरबा (ए)। कोरबा में अवैध कबाड़ के खिलाफ कार्रवाई की गई है। मुखबिर से सूचना पर 2 अलग-अलग मामलों में कार्रवाई की गई है, जहां से 9 टन कबाड़ की 1 लाख 80 हजार रुपए के लोहे के पाइप और कबाड़ जब्त किया गया है। वहीं थाना कुसमुण्डा पुलिस ने दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। पकड़ा गया आरोपी धनराज अन्ना पिता लल्ला मुत्तु उम्र 33 वर्ष साकिन पाली रोड थाना दीपका का रहने वाला है। वहीं दूसरा अजीत कुमार बरई पिता कन्ना बरई उम्र 24 वर्ष साकिन मोतीसागरपारा थाना कोतवाली इलाके का रहने वाला है।

कबाड़ियों पर ताबड़तोड़ कार्रवाई की गई

कुसमुण्डा पुलिस ने अपने मातहत कर्मचारियों के साथ कबाड़ियों पर

ताबड़तोड़ कार्रवाई की गई। इसी कड़ी में मुखबिर से अवैध रूप से कबाड़ रखने की सूचना मिलने पर दो अलग अलग जगहों पर छापेमारी की कार्रवाई की गई। पुलिस ने बड़ी मात्रा में कबाड़ जब्त किया।

भारी मात्रा में लोहे का दरवाजा जब्त

कबाड़ियों के कब्जे से भारी मात्रा में लोहे का दरवाजा, टीना, लोहे का ड्रम, लोहे का पाइप, एल्यूमिनियम तार, लोहे का राड, टीन सेड, फेंसिग तार, साइकिल और मोटर साइकिल के पार्ट्स और अन्य छोटे-छोटे लोहे के सामानों की जब्ती की गई है।

अवैध रूप से रखे गए कबाड़ को जब्त किया गया

कुसमुंडा थाना प्रभारी मनीष नागर ने बताया कि लक्ष्मण झूला दीपिका रोड पर छापामार कार्रवाई की गई, जहां भारी मात्रा में अवैध रूप से रखे गए कबाड़ को जब्त किया गया है। दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश किया गया, जहां से कोर्ट ने जेल भेज दिया है।

खास - खबर

स्तन कैंसर की जांच के लिए स्वास्थ्य कैंप का आयोजन 17 को

दुर्ग। वर्तमान में स्तन कैंसर एक घातक बीमारी बन गई है। वैश्विक जलवायु, रहन-सहन, खान-पान परिस्थिति के कारण हर 22 में से 01 महिला को स्तन कैंसर होने की संभावना है। उक्त बीमारी की गंभीरता को देखते हुये जिला प्रशासन तथा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग के संयुक्त तत्वाधान में रेड क्रास सोसाईटी, जिला दुर्ग अंतर्गत स्तन कैंसर जांच कैंप का आयोजन किया जा रहा है। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी दुर्ग से मिली जानकारी के अनुसार शिविर 17 फरवरी 2024 को जिला चिकित्सालय, दुर्ग में सुबह 10 बजे से शुरू होगा। आमजन से अपील की गई है कि स्तन कैंसर संभावित अधिक से अधिक मरीजों का आयोजित कैम्प में जांच करवाएं।

मातृ-पितृ दिवस पर कलेक्टर ने वृद्धाश्रम पहुंचकर वृद्धजनों से की भेंट

दुर्ग। मातृ-पितृ दिवस के अवसर पर बुधवार 14 फरवरी को कलेक्टर सुश्री ऋचा प्रकाश चौधरी ने पुलगांव स्थित वृद्धाश्रम पहुंचकर वृद्धजनों से भेंट की। उन्होंने वृद्धजनों से आत्मीयता पूर्वक रूबरू चर्चा कर वृद्धाश्रम में उपलब्ध सुविधाओं की जानकारी ली। वृद्धजनों ने आश्रम की व्यवस्था पर संतोष व्यक्त किया। साथ ही अवगत कराया कि समय-समय पर उनके परिजन वृद्धाश्रम मिलने आते है। वृद्धजनों की मांग पर कलेक्टर ने मौके पर उपस्थित समाज कल्याण विभाग के अधिकारियों को वृद्धाश्रम में रेडक्रास के माध्यम से स्वास्थ्य परीक्षण शिविर आयोजित करने, बुर्जुगों के स्वास्थ्य मनोरंजन हेतु नियमित व्यायाम और टेलीविजन की व्यवस्था तथा आश्रम के रंग-रोगन एवं साफ-सफाई पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए। ज्ञात हो कि वर्तमान में वृद्धाश्रम में 25 वृद्धजन निवासरत है। जिसमें 13 पुरूष एवं 12 महिलाएं शामिल है।

एफएसटीपी कोलिहापुरी में टेस्टिंग कार्य पूर्ण

दुर्ग। मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत दुर्ग अश्वनी देवांगन के निर्देशानुसार ग्राम पंचायत कोलिहापुरी में 5.60 लाख रूपये की लागत से निर्मित मल-जल प्रबंधन इकाई का निर्माण कार्य पूर्ण होने के पश्चात् प्रथम टेस्टिंग कार्य किया गया। स्वच्छ भारत मिशन (ग्रामीण) से अनुदान प्राप्त मलजल प्रबंधन इकाई की क्षमता 4000 हजार लीटर प्रति सप्ताह की क्षमता से निर्माण किया गया है। आयुक्त, नगर निगम दुर्ग के सहयोग से फिक्ल स्लज की टेस्टिंग के लिये 4000 हजार लीटर क्षमता वाले सक्शन मशीन युक्त वाहन की सहायता से डी स्लजिंग किया गया। इस इकाई में डी-स्लजिंग किये जा रहे मलजल के सुरक्षित निपटान की व्यवस्था की गई है, जिसमें मलजल के उपचारित होने के पश्चात् लिचपीट में भूजल रिचार्ज तकनीक का निर्माण किया गया है। ग्राम पंचायत कोलिहापुरी के समीप आने वाले 16 कि.मी. के क्षेत्र में समस्त ग्राम पंचायतों से सेप्टिक टैंक खाली करने के पश्चात् फिक्ल स्लज को इस प्लांट में उपचारित किया जावेगा। ग्रामीण क्षेत्र में सक्शन मशीन युक्त वाहन की उपलब्धता न होने के कारण नगर निगम दुर्ग के साथ समन्वय कर ग्रामीण क्षेत्रों में मांग अनुसार वाहन उपलब्ध कराने पर सहमति की गई है।

सिंटर प्लांट-3 ने दैनिक उत्पादन में 20,000 टन का आंकड़ा पार किया

भिलाई। उत्पादन में अपनी वृद्धि की गति को बनाए रखते हुए, सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र के सिंटर प्लांट-3, जो ब्लास्ट फर्नेस के लिए सिंटर का उत्पादन करती है, ने 13 फरवरी 2024 को 20,000 टन दैनिक उत्पादन का आंकड़ा पार कर लिया है। सिंटर प्लांट-3 ने 5 जनवरी 2024 को दर्ज किए गए पिछले सर्वश्रेष्ठ 19,960 टन उत्पादन के आंकड़े को पार करते हुए, 13 फरवरी 2024 को अब तक का सर्वश्रेष्ठ 20,025 टन का दैनिक उत्पादन दर्ज किया। 13 फरवरी 2024 को सिंटर प्लांट-3 ने ए शिफ्ट में अब तक का सर्वश्रेष्ठ 6,680 टन उत्पादन और सी शिफ्ट में सर्वश्रेष्ठ 6,640 टन उत्पादन दर्ज किया। मुख्य महाप्रबंधक (सिंटर प्लांट्स) ए के दत्ता ने सिंटर प्लांट-3 द्वारा 13 फरवरी 2024 को उत्पादन में मील का पत्थर हासिल करने में उनके सहयोग के लिए सभी संबंधित शॉप्स और विभागों को धन्यवाद दिया। भिलाई इस्पात संयंत्र के निदेशक प्रभारी अनिर्बान दासगुप्ता, कार्यपालक निदेशक अंजनी कुमार ने दैनिक उत्पादन में 20,000 टन का आंकड़ा पार करने के लिए सिंटर प्लांट-3 की पूरी टीम और सभी संबद्ध शॉप्स और विभागों को बधाई दी तथा उन्हें इसी तरह उत्कृष्ट प्रदर्शन को निरन्तर बनाए रखने का आग्रह किया।

विधान सभा में विधायक रिकेश सेन ने पूछा - कब फूटेगा ओयो का गुब्बारा...?, कहा -

छत्तीसगढ़ के पर्यटन और धार्मिक स्थलों सहित शहर पर ओयो लगा रहा है दाग

भिलाई। किसी अनजान शहर में रूकने के लिए होटल ढूंढने भटकने की समस्याओं से छुटकारा दिलाने के लिए एक ऑनलाइन एप लांच हुआ जिसका नाम ओयो है, लेकिन जनसुविधा के लिए होटल व्यवसाय में उतरा ओयो अब कई शहरों, पर्यटन यहां तक कि धार्मिक स्थलों के लिए ऐसा गुब्बारा बना है जो कि जल्द फूटेगा।

छत्तीसगढ़ विधानसभा में बीते वैशाली नगर विधायक रिकेश सेन ने छत्तीसगढ़ के पर्यटन स्थलों और शहरों में पिछले कुछ वर्षों में नीति नियमों को दरकिनार कर ओयो को दी गई परमिशन और इन होटलों में हो रहे अनैतिक कार्यों पर कड़े अंकुश लगाने की मांग की है। उन्होंने कहा कि पिछले कुछ वर्षों से लगातार ओयो द्वारा बुक किये गए रूम से जुड़ी वारदातों और अन्य कमरों में अवैध गतिविधियों की खबरें सामने आ रही हैं। लोगों का मानना है कि ओयो अब एक संदिग्ध रणनीति पर कार्य कर रहा है जो कि भारतीय संस्कृति पर सीधा कुठाराघात भी है।

आपको बता दें कि प्रारंभिक समय में ओयो स्टार्ट-अप का ऐसा लबादा ओढ़े बाजार में उतरा था जो कि लोगों को कम बजट में होटल के कमरे प्रदान करता था। दस साल के भीतर दुनिया भर में सबसे बड़ी होटल श्रृंखला बनाने का स्वप्न लिए उड़ीसा के युवा रितेश अग्रवाल ने वर्ष 2013 में गुरुग्राम से ओयो कंपनी की स्थापना की, तब से ओयो लगातार पूरे संसार में तेजी से विस्तार करता रहा। ओयो का समर्थन करने वालों में सिकोइया कैपिटल इंडिया और लाइट्सपेड इंडिया पार्टनर्स भी शामिल हैं। भारत में ओयो की गिनती सबसे आशाजनक स्टार्ट-अप्स में से एक के तौर पर होती रही है मगर कुछ समय से लगातार ओयो से जुड़ी खबरें सामने आ रही हैं, जिनसे पता चला कि ओयो ने अपने साथ कुछ ऐसे होटलों को भी शामिल कर रखा है जो या तो बिना लाइसेंस वाले हैं या गेस्ट हाउस के कमरे हैं, यह चिंता का विषय है।

विधायक रिकेश सेन ने कहा कि आज हर शहर के तीसरी गली मोहल्ले में ओयो के रूम की सुविधाएं उपलब्ध होने के कारण इन रूम से होने वाली अवैध गतिविधियों को भी बढ़ावा मिल रहा है, ओयो के रूम घंटों के हिसाब से बुक हो रहे हैं, अपराधी होटल के कमरों का अनैतिक कार्यों में उपयोग कर पुलिस को भनक लगने से पहले ही निकल भागे हैं। कई बार अनमैरिड कपल्स भी इन रूम्स का गलत फायदा उठाते हैं और मर्डर तथा रेप जैसी वारदातें भी सामने आती रही हैं। लोग गलत कार्यों जैसे जुआ खेलना, शराब पीना आदि के लिए भी इन रूम्स का इस्तेमाल करते हैं क्योंकि यह आसानी से उपलब्ध हो जाते हैं।

श्री सेन ने कहा कि जहां घंटों के हिसाब से रूम बुक होने लगे वहां नियम कायदों के परिपालन का आधार भी ढीला पड़ जाता है, नतीजतन आइडेंटिटी सहित लोकल लोगों का अचानक घंटे-दो घंटों के लिए रूम बुक कर पार्टी करना, नशाखोरी और अवैध मीटिंग कर निकल जाना आम बात है। अनेक मामलों में स्कूल कालेज कोचिंग बंक कर विद्यार्थी दोस्तों के साथ ओयो के कमरों का इस्तेमाल करते रहे हैं और यह सुविधा देने वाला ओयो धीरे धीरे अनैतिक कार्यों की ओर युवाओं के बढ़ते कदम में उत्प्रेरक भी साबित हो रहा है।

विधायक रिकेश सेन ने सदन में कहा कि पिछली सरकार ने छत्तीसगढ़ ओयो को ऐसा बुस्ट किया कि डा. रमन सिंह सरकार ने छत्तीसगढ़ के पर्यटन स्थल और धार्मिक स्थलों को जिस तरह सजा संवार कर सुंदर बनाया था वहां ओयो में हो रही गतिविधियां अब दाग लगा रही हैं। उन्होंने सरकार से जांच करवाने की मांग कि है कि पिछली सरकार ने छत्तीसगढ़ के सभी पर्यटन स्थलों पर ओयो होटल किसके संरक्षण में संचालित किए जा रहे थे, पांच वर्षों में हर पर्यटन स्थल पर ओयो में गैरकानूनी काम हुए हैं जिसकी तफ्तीश जरूरी है और वर्तमान में संचालित ऐसे सभी ओयो सेंटर की जांच कर इन्हें बंद किया जाना चाहिए क्योंकि एक से दो कमरों में भी गली मोहल्लों तक ओयो होटल खोल दिए गए हैं।

विधायक रिकेश सेन के खनिज निधि (डीएमएफ फंड) आबंटन और क्लब पर खर्च की जांच की मांग पर मुख्यमंत्री ने दी सहमति, शून्य काल में 20 हजार पट्टे लौटाने की मांग भी

भिलाई। प्रदेश के राजीव युवा मितान क्लब के गठन और खर्चों पर आज विधानसभा में जमकर शोर-शराबा हुआ। वैशाली नगर विधायक रिकेश सेन ने आरोप लगाया कि राजीव मितान क्लब का उद्देश्य खाओ-पियो और मौज करो रह गया था इसलिए राजीव मितान क्लब को भंग किया जाए। साथ ही अब तक के खर्चों की जांच कराई जाएगी।

उन्होंने डिस्ट्रिक्ट मिनरल फाउंडेशन के तहत पिछले 5 वर्षों से आबंटित खनिज निधि की जांच कराए जाने की भी मांग की जिस पर मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने स्वीकृति देते हुए कहा कि जांच अवश्य की जाएगी। आज प्रश्नकाल में कांग्रेस सदस्य श्रीमती सावित्री मनोज मंडावी के सवाल के जवाब में खेलमंत्री ने बताया कि प्रदेश में एक लाख राजीव मितान क्लब का गठन किया गया है। क्लब के जरिए खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन, खिलाड़ियों को प्रशिक्षण, रामायण महोत्सव आदि गतिविधियां होती हैं।

उन्होंने कहा कि करीब 132 करोड़ रूपए क्लब के लिए प्रावधान किए गए थे। खेलमंत्री ने बताया कि करीब 40 करोड़ रूपए बाकी हैं। विधायक रिकेश सेन ने राजीव मितान क्लब के गठन और इसके तहत अब तक आबंटित राशि की जांच कर तब तक शेष बकाया रोकने की भी मांग करते हुए राजीव मितान क्लब के गठन के औचित्य पर सवाल खड़े किए। इस दौरान सदन में जमर शोर-शराबा भी हुआ।

वैशाली नगर के जमा 20 हजार से ज्यादा पट्टा लौटाया जाए

शून्य काल में वैशाली नगर विधायक ने पूर्व सरकार द्वारा नवीनीकरण के नाम पर उनकी विधानसभा से जमा कराए गए 20 हजार से अधिक पट्टे वापस किए जाने की मांग करते हुए बताया कि महीनों पहले जमा कराए गए पट्टों का कोई माई बाप नहीं है। लोग अपने पट्टा नवीनीकरण की बाट जोहते थक गए लेकिन न तो नवीनीकरण किया गया और न ही पट्टाधारक को पट्टा लौटाया गया है। श्री सेन ने कहा कि हजारों लोगों का पट्टा जमा करवा कर पूर्व सरकार ने उन्हें प्रधानमंत्री आवास योजना से वंचित कर रखा था, लोग पट्टा वापस लेने भटक रहे हैं और अधिकारियों को उनका पट्टा खोजे मिल नहीं रहा, उन्हें काउंटर से लौटा दिया जा रहा है अतः व्यवस्था बना कर सभी का पट्टा उनको ससम्मान लौटाया जाए ताकि वो प्रधानमंत्री मंत्री आवास योजना का लाभ ले सकें।

महतारी वंदन योजना का शत प्रतिशत लक्ष्य, लक्ष्मीनारायण नगर वार्ड में दया सिंह स्वयं भरवा रहे फॉर्म

अब तक 1200 से ज्यादा महिलाओं ने भरा फार्म, घर-घर जाकर कर रहे महिलाओं को जागरुक

भिलाई। छत्तीसगढ़ सरकार की महत्वाकांक्षी योजना महतारी वंदन योजना को लेकर प्रदेश भर में उत्साह का माहौल है। महिलाएं बढ़ चढ़ कर इस योजना का लाभ लेने आवेदन जमा करा रही हैं। हालांकि इसमें महिलाओं को कुछ दिक्कतों का भी सामना करना पड़ रहा है। इसी समस्या को देखते हुए भिलाई निगम के उप नेता प्रतिपक्ष व वार्ड 44 लक्ष्मीनारायण नगर वार्ड के पार्षद दया सिंह द्वारा अपने वार्ड की एक-एक महिला का फॉर्म स्वयं की उपस्थिति में भरवा रहे हैं। अब तक वार्ड में 12 सौ से अधिक महिलाओं का फार्म भरा जा चुका है। इस संबंध में दया सिंह ने बताया कि महतारी वंदन योजना छत्तीसगढ़ सरकार की महत्वाकांक्षी योजना है और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की एक गारंटी भी है। प्रदेश के मुखिया विष्णुदेव साय ने छत्तीसगढ़ की महिलाओं को स्वालंबी बनाने के लिए महतारी वंदन योजना शुरू की है। इस योजना के तहत प्रत्येक महिला को साल के 12000 यानी हर माह 1000 रुपए की राशि मिलेगी। दया सिंह ने बताया योजना को लेकर महिलाओं में अभूतपूर्व उत्साह का माहौल है। महिलाओं को किसी प्रकार की दिक्कत न हो इसके लिए वार्ड 44 लक्ष्मीनारायण नगर में स्वयं इसकी मॉनिटरिंग कर रहे हैं।

सभी महिलाओं को लाभ दिलाना ही हमारा लक्ष्य

दया सिंह ने कहा है कि महतारी वंदन योजना का लाभ वार्ड की एक एक महिला को मिले यही हमारा लक्ष्य है। वार्ड 44 से मातृशक्ति के आशीर्वाद से चुनाव में अभूतपूर्व जीत मिली थी। मातृशक्ति को महतारी वंदन योजना का लाभ मिले इसके लिए शिविर लगाया जा रहा है और सभी को नि:शुल्क फॉर्म वितरण के साथ की सारी सुविधाएं नि:शुल्क दी जा रही हैं। यही नहीं कोई महिला इस योजना का लाभ लेने से न चूक जाए इसके लिए घर-घर जाकर उन्हें योजना की जानकारी देकर आवेदन भरवाया जा रहा है। दया सिंह ने बताया कि आगे वार्ड में प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ दिलाने के लिए भी शिविर का आयोजन किया जाएगा।

निगम करो का भुगतान नही तो कुर्क होगा भवन

भिलाई। निगम भिलाई ने अपने बकाया विभिन्न करो की वसूली के लिए लगातार प्रयास कर रहा है, लम्बे समय से सम्पत्तिकर, जलकर, भू-भाटक नहीं पटाने वालो के विरूद्व कुर्की वारंट जारी कर सील बंद की तैयारी कर रहा है।

निगम आयुक्त देवेश कुमार ध्रुव ने राजस्व वसूली की समीक्षा करते हुए कहा है कि नगर के बड़े बकायादार जिनको नगर पालिक अधिनियम 1956 की धारा 173, 174 की नोटिस जारी किया जा चुका है, उसके बाद भी लंबित राशि का भुगतान भवन स्वामी द्वारा नहीं किया गया है तो, उसके विरूद्व कुर्की की कार्यवाही प्रस्तावित कर प्रस्तुत करें। उन्होने शहर के दुकानदार तथा मकान मालिक द्वारा प्रस्तुत स्वविवरणी का निगम द्वारा कराये गये सत्यता जॉच में अंतर पाये जाने पर सुभाष नगर फ्ल मार्केट, विजय कॉम्पलेक्स के दुकानदार तथा हाउसिंग बोर्ड के मकान मालिक के विरूद्व छत्तीसगढ़ नगर पालिका भवनो/भूमियों के वार्षिक भाड़ा मूल्य का अवधारण नियम 1997 के नियम 11 छत्तीसगढ़ नगर पालिका भवन के कर योग्य संपत्ति मूल्य का निर्धारण नियम 2021 के नियम 14 के अंतर्गत नोटिस जारी किया है । अधिक होने के कारण 5 गुणा शास्ति राशि अधिरोपित करते हुए पॉच करदाता से 22 लाख 41 हजार 9 सौ उन्नीस रूपये 7 दिवस के भीतर जमा करने को कहा गया है। देय कर राशि का भुगतान भवन मालिक द्वारा नही किये जाने पर निगम प्रशासन द्वारा नियमानुसार कार्रवाही किया जाएगा।

दुर्ग-रायपुर राष्ट्रीय राजमार्ग में निर्माणाधीन फ्लाईओवर का कलेक्टर ने किया निरीक्षण

दुर्ग। दुर्ग-रायपुर राष्ट्रीय राजमार्ग पर 4 फ्लाईओवर का निर्माण किया जा रहा है। 349.03 करोड़ की लागत से कुम्हारी, ट्रांसपोर्ट नगर, पावरहाउस और चंद्रामौर्या सुपेला फ्लाईओवर कार्य प्रगति पर है। कलेक्टर सुश्री ऋचा प्रकाश चौधरी ने आज एनएच के अधिकारियों के साथ फ्लाईओवर निर्माण कार्य का अवलोकन किया। उन्होंने अधिकारियों को फ्लाईओवर का शेष निर्माण कार्य शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए।

अधिकारियों ने अवगत कराया कि कुम्हारी फ्लाईओवर में रायपुर से दुर्ग की ओर फ्लाईओवर कार्य पूर्ण हो चुका है। बायीं कैरिज वे पर यातायात अस्थाई रूप से प्रारंभ कर दिया गया है। इसी प्रकार दुर्ग से रायपुर की ओर बो-स्ट्रीम एवं स्लेप का कार्य, पूर्ण दायीं ओर बो-स्ट्रीम के रेक्टीफिक्केशन कार्य मार्च तक पूर्ण होने की संभावना है। फिनिशिंग कार्य प्रगति पर है। इस फ्लाईओवर के शेष कार्य ड्रेन कार्य दोनों तरफ 1050 मीटर लम्बाई में अप्रारंभ है। सर्विस रोड दोनों तरफ1050 मीटर लम्बाई में कार्य प्रगति पर है तथा बो-स्ट्रीम स्लेप पर ब्रिज लोड टेस्ट एवं फिनिशिंग कार्य अप्रारंभ है। ट्रांसपोर्ट नगर फ्लाईओवर में एप्रोच कार्य पूर्ण फिनिशिंग एवं ब्रिज लोड टेस्ट कार्य प्रगति पर है।

उक्त ओवरब्रिज के शेष कार्य दोनों तरफ400 मीटर लम्बाई में ड्रेन कार्य और सर्विस रोड कार्य प्रगति पर है। पावरहाउस फ्लाईओवर में कार्य पूर्ण एवं ट्रैफिक मूवमेंट अस्थायी रूप से प्रारंभ है। इसका शेष कार्य दोनों तरफ 1660 मीटर लंबाई के ड्रेन कार्य और सर्विस रोड कार्य प्रगति पर है। इसी प्रकार चंद्रा मौर्या से सुपेला फ्लाईओवर में कार्य पूर्ण पश्चात ट्रैफिक मूवमेंट अस्थाई रूप से प्रारंभ है। इसका शेष कार्य 1990 मीटर दोनों ओर ड्रेन कार्य और सर्विस रोड कार्य प्रगति पर है। अधिकारियों ने बताया कि 31 मार्च 2024 तक फ्लाईओवर का सम्पूर्ण कार्य पूर्ण हो जाएगा। इस अवसर पर राष्ट्रीय राजमार्ग के कार्यपालन अभियंता बी.एस. राव, प्रोजेक्ट मैनेजर पी. पार्थी, बी.के. शाह एवं अन्य अधिकारी उपस्थित थे।

ऊर्जा संरक्षण विषय पर एक दिवसीय प्रशिक्षण कार्यक्रम संपन्न

दुर्ग। भारत सरकार के ऊर्जा दक्षता ब्यूरो द्वारा नगरीय निकाय एवं लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के तकनिशियन व अधिकारियों को ऊर्जा संरक्षण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से ऊर्जा दक्ष पंपों के उपयोग हेतु संभाग स्तरीय प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन आज जिला पंचायत सभाकक्ष दुर्ग में किया गया। कार्यशाला में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी अश्वनी देवांगन तथा श्री विनायक नातू और राकेश साहू विशेष रूप से उपस्थित रहें।

प्रशिक्षण कार्यक्रम में क्रेडा जोनल कार्यालय के अधीक्षण अभियंता श्री भानु प्रताप के द्वारा संभाग स्तरीय नगरीय निकाय एवं लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के तकनिशियन व अधिकारियों को ऊर्जा संरक्षण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से ऊर्जा दक्ष पंपों के उपयोग हेतु प्रशिक्षण कार्यक्रम के महत्व को बताया गया। बड़े नगरीय निकायों में पेयजल प्रदाय पंप व जल वितरण प्रणाली के बारे में विस्तृत जानकारी दी गई।

इसे वर्तमान में उपयोग होने वाले स्टार रेटेड पंपों का उपयोग कर विद्युत की खपत को कम किया जा सकता है। जो ऊर्जा संरक्षण के क्षेत्र में प्रभावी महत्व को बताया गया। पंपों की क्षमता एवं जल वितरण प्रणालियों को नवीन टेक्नोलाजी का उपयोग कर पंप हाउस की दक्षता को बढ़ाया जा सकता है। पंपों एवं पाईप लाईन के रखरखाव में भी लागत को कम किया जा सकता है।

विनायक नातू द्वारा छत्तीसगढ़ शासन के द्वारा ऊर्जा संरक्षण के क्षेत्र में किये जा रहे विभिन्न प्रकार के कार्यक्रम प्रचार प्रसार व योजनाओं के बारे में जानकारी दी गई। छत्तीसगढ़ शासन के द्वारा ऊर्जा संरक्षण को बढावा देने के लिये नगरीय निकायों में सौर संयंत्र स्थापित किये जा रहे है और पेयजल हेतु पंपों में ऊर्जा दक्ष पंप एवं स्टार रेटिंग पंप का प्रयोग को बढ़ावा देने की आवश्यकता बताए हैं। इस वर्ष दुर्ग शहर को स्मार्ट सिटी के रूप में विकसित करने हेतु घरों में सौर संयंत्र स्थापित किये जाऐंगें जिससे कि आमजनों को बिजली के बिल में राहत मिलेगी। जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी अश्वनी देवागंन के द्वारा प्रशिक्षार्थियों को इस प्रकार की कार्यशाला के आयोजन में होने वाले लाभ के बारे में बताया गया इस प्रकार के प्रशिक्षण में विभिन्न पंप निर्माता कंपनियों के प्रतिनिधियों के द्वारा ऊर्जा दक्ष पंप की स्थापना व रखरखाव की जानकारी दी जाती है, जो कि प्रशिक्षार्थियों के कार्यक्षेत्र के लिये उपयोगी सिद्ध होता हैं तथा प्रशिक्षार्थियों को कम समय में अधिक तकनीकी जानकारी प्राप्त होती है, जिसका उपयोग अपने कार्य को अधिक दक्षता से करने में सक्षम हो सके एवं सभी प्रशिक्षार्थियों को शुभकामनाएं दी गई। प्रशिक्षण कार्यक्रम में उपस्थित ग्रुण्डफॉस पंप इंडिया प्रा.लि. के एस रमेश सिनियर मेनेजर चेन्नई व देबातोश मिश्रा सिनियर मेनेजर भुनेश्वर के द्वारा जल प्रदाय पंपों में नवीन टेक्नोलॉजी ऊर्जा दक्ष पंपों के साथ आईइ-5 पंप (वर्टिकल इनलाईन) नगरीय निकायों में प्रयोग होने वाले सबमर्सिबल पंप एवं वेस्टेज वॉटर पंप के संचालन संधारण के बारे में विस्तृत जानकारी प्रदान की गई। इन पंपों के सुरक्षा के लिये भी बहुत महत्वपूर्ण जानकारी प्रदान की गई। प्रशिक्षार्थियों को प्रदेश के विभिन्न नगरीय निकायों में उपयोग होने वाले पंपों के केस स्टडी के बारे में भी बताया गया। इस प्रशिक्षण में नगरीय निकाय दुर्ग, भिलाई, चरोदा, रिसाली, कुम्हारी, सुपेला एवं लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग विकासखण्ड दुर्ग, पाटन, धमधा के पंप तकनीशियन के साथ साथ क्रेडा विभाग के भी पंप तकनीशियन एवं अधिकारी सम्मिलित हुए।

स्वामी,मुद्रक,प्रकाशक प्रेमेन्द्र अग्रवाल द्वारा अस्मा पब्लिशर्स इण्डिया प्राईवेट लि.,जयस्तंभ चौक, रायपुर से मुद्रित कर तथा 5/756 रामसागरपारा, सिंधी स्कूल के पीछे, स्टेशनरी हाऊस, रायपुर 492001 (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक प्रेमेन्द्र अग्रवाल ।
www.lokshakti.in, lokshaktidaily@gmail.com, twitter.com/lokshaktidaily, facebook.com/lokshaktidaily कार्यकारी संपादक : राजेश अग्रवाल (किसी भी विवाद पर न्यायालय क्षेत्र रायपुर होगा)